www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

SB NEWS

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 क्या भारत की 'घर में घुसकर मारने' की...
3 गुरमीत सिंह खुड्डियां ने डेयरी विकास विभाग में नव...
4 आईआईटी रूड़की में विशेष मान द्वारा स्वर्ण...

वर्ष: 9 | अंक: 326 | दिल्ली, शुक्रवार, 19 सितम्बर 2025 | पृष्ठ संख्या: 4 | मूल्य: 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

ऑनलाइन गेमिंग के कड़े नियम 1 अक्टूबर से लागू-अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुरुवार को कहा कि ऑनलाइन गेमिंग से संबंधित नए नियम 1 अक्टूबर से लागू होंगे। वैष्णव ने कहा कि हमने उनके (ऑनलाइन गेमिंग कंपनियों और हितधारकों) साथ कई बार चर्चा की है... और कानून पारित होने के बाद, एक बार फिर, हमने उनके साथ बातचीत की है।" उन्होंने आगे कहा कि सरकार ने बैंकों और अन्य हितधारकों से भी परामर्श किया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरकार का दृष्टिकोण बहुत ही परामर्शात्मक बना हुआ है और कार्यान्वयन से पहले उद्योग के साथ एक और दौर की चर्चा की जाएगी। केंद्रीय मंत्री ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के पूर्व-कार्यक्रम समारोह में बोलते हुए कहा कि हमने इसमें व्यावहारिक रूप से हर संभव हितधारक के साथ बातचीत की है और हमने नियमों को अंतिम रूप दे दिया है। ये नियम पहली अक्टूबर से लागू होंगे और उससे पहले, हम उद्योग के साथ एक और दौर की चर्चा करेंगे। और अगर हमें और समय की आवश्यकता होगी, तो हम निश्चित रूप से अधिक परामर्शात्मक दृष्टिकोण पर विचार करेंगे, जो हमारा मानक दृष्टिकोण है। हमारी सरकार का दृष्टिकोण व्यावहारिक रूप से हम जो कुछ भी करते हैं, उस पर बहुत परामर्शात्मक है।

सुकमा में एनकाउंटर, 5 लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली ढेर

छत्तीसगढ़ (एजेन्सी)। छत्तीसगढ़ के सुकमा में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में गुरुवार को 5 लाख रुपये की इनामी महिला नक्सली मारी गई। पीटीआई ने पुलिस के हवाले से बताया कि बुस्की नुप्पो नाम की यह नक्सली कई हिंसक घटनाओं में वांछित थी। अधिकारियों के अनुसार, गादीरास थाना क्षेत्र के अंतर्गत गुफड़ी और पेरमापारा गाँवों के बीच स्थित एक जंगली पहाड़ी पर सुबह मुठभेड़ शुरू हुई। राज्य पुलिस की एक विशेष इकाई, जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) की एक टीम इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर तलाशी अभियान चला रही थी। मुठभेड़ समाप्त होने के बाद, सुरक्षाकर्मियों ने 35 वर्षीय नुप्पो का शव बरामद किया। वह माओवादियों की मलांगीर क्षेत्र समिति की सदस्य थी और सुकमा तथा दंतेवाड़ा ज़िलों के तीन पुलिस थानों में फैले नौ गंभीर नक्सली मामलों में वांछित थी। पुलिस ने मुठभेड़ स्थल से एक 315 बोर की राइफल, पाँच कारतूस, एक वायरलेस सेट, आठ डेटोनेटर, लगभग 10 मीटर कॉर्डेक्स तार, चार जिलेटिन छड़ें, बारूद, एक रेडियो, माओवादी साहित्य और अन्य सामान भी बरामद किया। एक दिन पहले, छत्तीसगढ़ के नारायणपुर ज़िले में बारह नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिनमें नौ नक्सलियों पर कुल 18 लाख रुपये का इनाम घोषित था। इनमें पाँच महिलाएँ भी शामिल थीं। नारायणपुर के पुलिस अधीक्षक रॉबिन्सन गुरिया के अनुसार, उन्होंने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस के अधिकारियों के सामने आत्मसमर्पण किया। आत्मसमर्पण करने वाले सदस्यों ने कहा कि वे माओवादियों की खोखली विचारधारा से निराश हैं, निर्दोष आदिवासियों के खिलाफ हिंसा से परेशान हैं, और प्रतिबंधित समूह के भीतर बढ़ते आंतरिक संघर्षों से परेशान हैं।

सीएम रेखा गुप्ता ने तीन शैक्षणिक पाठ्यक्रमों का किया शुभारंभ

हर विद्यार्थी केवल छात्र नहीं, राष्ट्र की ताकत भी हैः शिक्षा मंत्री

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने तीन नए शैक्षणिक पाठ्यक्रमों नीव (नव उद्यम और उद्यमिता विकास योजना, NEEEV), जीवन का विज्ञान तथा राष्ट्रीय नीति का औपचारिक शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री का कहना है कि यह कार्यक्रम शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी कदम है, जो छात्रों को न केवल शैक्षणिक ज्ञान प्रदान करेगा, बल्कि उन्हें जीवन कौशल, उद्यमिता, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और जिम्मेदार नागरिकता के साथ सशक्त बनाएगा।

भारत मंडपम में आयोजित इस कार्यक्रम में दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद, सम्बंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और अन्य गणमान्य मौजूद थे। इस पाठ्यक्रम को दिल्ली शिक्षा निदेशालय ने विकसित किया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को भविष्य के लिए तैयार करना है, जिसमें शैक्षणिक शिक्षा के साथ-साथ महत्वपूर्ण जीवन कौशल और नागरिक जिम्मेदारी भी शामिल है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार के सभी स्कूलों में लाखों विद्यार्थियों के लिए देश निर्माण के दृष्टिकोण से तीन नए करिकुलम लांच किए गए हैं। इन करिकुलम का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभ से ही बिजनेस माइंडसेट विकसित करना, उन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से परिचित कराना और दक्ष बनाना है, ताकि वे समाज में केवल रोजगार खोजने वाले नहीं, बल्कि रोजगार देने वाले व्यक्तित्व के रूप में उभरें। उन्होंने कहा कि साइंस ऑफ लिविंग पाठ्यक्रम के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व के हर पक्ष को निखारा जाएगा और उनमें समाज के प्रति संवेदनशीलता को बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन तीनों करिकुलम को शिक्षक समुदाय के बीच साझा किया गया है और यह सेवा पखवाड़े का विशेष हिस्सा है, जो प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की सोच के अनुरूप तैयार किया गया है।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार स्कूलों के लिए संसाधनों की कोई कमी नहीं रखेगी, चाहे वह शौचालय, प्रयोगशालाएं, खेल मैदान या अन्य सुविधाएँ हों। उन्होंने दोहराया कि उनकी प्राथमिकता बड़ी इमारतों या फ्लाईओवर बनाने से नहीं, बल्कि बेहतर स्कूल और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर है। मुख्यमंत्री ने शिक्षकों से आग्रह किया कि वे इस शिक्षा अभियान को आगे बढ़ाएं ताकि दिल्ली के सरकारी विद्यालय नए मानक स्थापित करें, समाज को योग्य नागरिक दें और राष्ट्र निर्माण में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि सरकारी स्कूल कहीं भी प्राइवेट स्कूलों से पीछे नहीं रहेंगे; वे उत्कृष्ट काम करेंगे, बेहतर बच्चे तैयार करेंगे और भविष्य का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली में यह पहल लगातार जारी रहेगी और आने वाले महीनों में भी इसी तरह नई पहलें लागू की जाएंगी। दिल्ली के शिक्षा मंत्री श्री सूद ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर 15 दिवसीय सेवा पखवाड़ा आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने शिक्षकों को इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देने और संदेश को पूरे शिक्षक समुदाय तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि हर विद्यार्थी केवल छात्र नहीं, बल्कि भावी प्रधानमंत्री, वैज्ञानिक, उद्यमी, न्यायाधीश, सैनिक, कलाकार, शिक्षक और नेता हैं। एक राष्ट्र की ताकत उसकी इमारतों या सेना में नहीं, बल्कि उसके नागरिकों के चरित्र, मूल्य और जिम्मेदारी की भावना में निहित है। शिक्षा मंत्री श्री आशीष सूद ने आगे कहा कि शिक्षा केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं है। बच्चों को गुड टच-बैड टच, मोबाइल और ट्रैफिक का जिम्मेदार उपयोग और सिविक सेंस जैसी शिक्षा भी दी जानी चाहिए, ताकि वे समाज और राष्ट्र के लिए उपयोगी नागरिक बन सकें। शिक्षा मंत्री ने कहा कि राजनीतिक और मार्केटिंग कारणों से पिछले वर्षों में सरकारी शिक्षा पिछड़ गई थी, लेकिन प्रधानमंत्री जी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मार्गदर्शन में अब इसे पुनः प्रतिष्ठित किया जा रहा है। उन्होंने सभी शिक्षकों से आग्रह किया कि वे मिलकर ऐसा समय लौटाएं जब लोग अपने बच्चों का दाखिला सरकारी स्कूलों में कराने के लिए उत्साहित हों।

स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का पीएम ने किया ऑनलाइन शुभारंभ

नई दिल्ली (एजेन्सी)। महिला स्वास्थ्य सुरक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए चलाए जाने वाले स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों ऑनलाइन किया गया। इस अवसर पर पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान परिसर में एक भव्य कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें पहुंचने वाले लोगों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। चिकित्सकों ने अपना कुशल परामर्श दिया। रोगियों को दवाइयां भी मुफ्त में दीं गईं। इस कार्यक्रम में राज्यपाल आरिफ मुहम्मद खान, उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय मौजूद थे। इस अवसर पर राज्य स्वास्थ्य समिति के पदाधिकारियों के साथ ही महिला जन प्रतिनिधि, जीविका, आंगनबाड़ी सेविका और सहायिका, आशा कार्यकर्ता और स्वास्थ्य केंद्रों के कर्मचारी मौजूद रहे। यहां उपस्थिति लोगों ने मध्य प्रदेश के धार जिले में आयोजित प्रधानमंत्री के कार्यक्रम का वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से अवलोकन किया और उनके संबोधन को सुना। पीएम ने कहा, कौशल और निर्माण के देवता भगवान विश्वकर्मा का जयंती है। अपने कौशल से राष्ट्र निर्माण में लगे करोड़ों भाइयों और बहनों को भी विश्वकर्मा जयंती के उपलक्ष्य में आदर पूर्वक प्रणाम करता हूं। हमने ऑपरेशन सिंदूर से आतंकी ठिकानों को उजाड़ दिया है। वीर जवानों ने पलक झपकते ही पाकिस्तान को घुटनों पर ला दिया। ये नया भारत है। ये किसी की परमाणु धमकियों से डरता नहीं है। हम घर में घुसकर मारते हैं। पीएम मोदी ने कहा, आज 17 सितंबर को एक और ऐतिहासिक अवसर है। आज ही के दिन देश ने सरदार पटेल की फौलादी इच्छाशक्ति के उदाहरण को देखा था।

एक पेड़ माँ के नाम हुआ ग्लोबलः पीएम मोदी के 75वें बर्थडे पर विभिन्न देशों के 75 राजदूत और हाई कमिशनर्स ने लगाए 75 पेड़

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली में एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के तहत एक अनोखा ग्लोबल प्लांटेशन ड्राइव पीबीजी ग्राउंड, दिल्ली रिज पर आयोजित हुआ। इसमें 72+ देशों के 75 से ज्यादा एम्बैसडर्स, हाई कमिश्नर्स और हेड्स ऑफ मिशन ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम 17 सितम्बर (पीएम मोदी का बर्थडे) से 2 अक्टूबर (गांधी जयंती) तक देशभर में चल रहे सेवा पखवाड़े का अहम हिस्सा है।

इस अनोखे एवं ऐतिहासिक इवेंट में एशिया, अफ्रीका, यूरोप, ओशिआनिया, नॉर्थ और साउथ अमेरिका, कैरिबियन और लैटिन अमेरिका के देशों से आए डिग्निटरीज और उनके फैमिली मेंबर्स ने हिस्सा लिया। हर फॉरेन डेलीगेट ने अपनी मदर के नाम पर पौधा लगाया। हर सैपलिंग के साथ नेमप्लेट लगी जिसमें डेलीगेट का नाम, उनकी मदर का नाम और ट्री स्पीशीज लिखी थी।

ये पूरे विश्व के लिए बहुत बड़ा इवेंट है। पीएम मोदी जी के एक पेड़ माँ के नाम की अपील हमें यह एहसास दिलाती है कि धरती को बचाना सबकी जिम्मेदारी है। कई एम्बैसडर्स और हाई कमिश्नर्स अपनी माँ को याद करके भावुक हो गए। सेवा पखवाड़ा के तहत 25 सितम्बर को पूरे देश में 7.5 करोड़ सैपलिंग्स लगाए जाएंगे। आज इंडिया से इसकी खुशबू पूरी दुनिया तक पहुंची है। दिल्ली का ग्रीन कवर 25% बढ़ा है, जो अन्य सभी प्रदेशों में सबसे ज्यादा है। एक पेड़ माँ के नाम सिर्फ कैंपेन नहीं बल्कि एक जन आंदोलन है। आपके

द्वारा लगाया हुआ हर पेड़ माँ के प्यार और संवेदना का प्रतीक है। क्लाइमेट चेंज, बायोडाइवर्सिटी लॉस और एयर पॉल्यूशन की चुनौतियाँ किसी बॉर्डर को नहीं मानतीं, इसलिए हमें ग्लोबल लेवल पर साथ मिलकर काम करना होगा। आज का प्लांटेशन ड्राइव दिल्ली के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित होगा।

पीएम नरेन्द्र मोदी के एक पेड़ माँ के नाम का संकल्प ने वैश्विक स्तर पर ख्याति हासिल की है। 72+ देशों के 75 एम्बैसडर्स और हाई कमिश्नर्स ने उनके 75वें बर्थडे पर पौधे लगाए। यह पीएम मोदी की ग्लोबल लीडरशिप का सबूत है और सभी भारतीयों के लिए गर्व का पल है। पीएम मोदी की विजन के तहत दिल्ली तेजी से हरित राजधानी बनने की ओर बढ़ रही है। कार्यक्रम के दौरान कई भावुक पल भी सामने आए। एक फॉरेन डिप्लोमैट अपनी दिवंगत माता जी को याद करके रो पड़ीं और सीएम रेखा गुप्ता को गले लगाया।

थैंक यू सो मच फॉर दिस इनिशिएटिव इंडिया लंबे समय से इनवायरमेंट को सपोर्ट करता आया है। हम इस मौके पर पीएम नरेन्द्र मोदी को बर्थडे की शुभकामनाएँ देते हैं। इस स्तर पर पौधारोपण तेजी से बदलती जलवायु को देखते हुए पूरी दुनिया के लिए जरूरी है। बहरीन, भूटान, चीन, रूस, ओमान, स्पेन, ऑस्ट्रिया, ब्राजील, जमैका, फीजी, पापुआ न्यू गिनी समेत एशिया, अफ्रीका, यूरोप, अमेरिका और ओशिआनिया के कई देशों के डेलीगेट्स इस प्लांटेशन ड्राइव में शामिल हुए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान ने बदली भारत की तस्वीरः रविन्द्र इन्द्राज

दिल्ली बनेगी हरी-भरी, समाज कल्याण मंत्री ने एक पेड़ माँ के नाम लगाने की अपील की

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। सेवा पखवाड़े में दिल्ली के समाज कल्याण मंत्री रविन्द्र इन्द्राज सिंह ने गुरूवार को रोहिणी सेक्टर-24 में स्थानीय निवासियों, स्वयंसेवी संगठनों, आरडब्लूए, युवाओं और स्वच्छता दूतों के साथ व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया और पौधारोपण कर स्थानीय निवासियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई।

श्री इन्द्राज ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चले स्वच्छ भारत अभियान ने दुनिया में भारत की तस्वीर बदल दी। इस अभियान से पहले ज्यादातर ग्रामीण और शहरी ग्रामीण आबादी खुले में शौच जाने के लिए मजबूर थी, देश में इस अभियान के जरिये करीब 12 करोड़ शौचालय बने। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं को गरिमामय और सुरक्षित जीवन मिला।

समाज कल्याण मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में चल रहा दिल्ली को कूड़े से आजादीः स्वच्छता अभियान भी इसी महाअभियान से प्रेरित है। उन्होंने स्थानीय निवासियों से आग्रह

किया कि सफाई कर्मी जो हमारे स्वच्छता दूत हैं, उनका सहयोग करें सेवा पखवाड़े में नियमित स्वच्छता कार्य कर इसके उद्देश्य को सफल बनायें। उन्होंने कहा कि विकसित दिल्ली के लक्ष्य को हासिल करने में इस अभियान की निर्णायक भूमिका होगी।

कैबिनेट मंत्री ने आग्रह किया कि गीला और सूखा कचरा अलग-अलग कर कूड़ेदान और नगर निगम वाहनों में डालना भी बड़ा योगदान होगा। उन्होंने कहा कि यदि नागरिक गीले और सूखे कचरे को कूड़ा गाड़ी में बने निर्धारित स्थानों पर डालते हैं तो दिल्ली शीघ्र ही एक स्वच्छ और सुंदर शहर के रूप में विकसित होगी। साथ ही सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग बंद करें। अपने बच्चों को स्वच्छता की शिक्षा दें, ताकि यह आदत संस्कार बन सके। दिल्ली स्वच्छ होगी तभी विकसित और सुरक्षित बनेगी। इसके बाद समाज कल्याण मंत्री ने प्रधानमंत्री जी के आह्वान एक पेड़ माँ के नाम 2.0 के तहत पौधारोपण किया और सभी नागरिकों से कम से कम एक पेड़ अवश्य लगाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि ह्यपौधारोपण न केवल पर्यावरण बचाने का कदम है बल्कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ वायु और हरित भविष्य देने का संकल्प है।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने किया घरौंडा में स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ

टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित, परिसर में पौधारोपण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। सेवा पखवाड़े में स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान के तहत हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने गुरुवार को घरौंडा कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य जांच शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने टीबी मरीजों को पोषण किट वितरित की और सीएचसी परिसर में पौधारोपण किया।

विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने इस मौके पर कुछ टीबी मरीजों से बातचीत करते हुए उन्हें नियमित रूप से दवाई और अच्छा आहार लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की कोई परेशानी हो तो उन्हें बताना। विधानसभा अध्यक्ष ने सांकेतिक रूप से तीन मरीजों को पोषण किट वितरित की। आज 15 मरीजों को ये किट बांटी गई, इनमें ज्यादातर महिलाएं शामिल थीं। इस मौके पर कुछ स्टाफ नर्सों ने वर्कलोड अधिक होने के बारे में स्पीकर को अवगत कराया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने सीएमओ को इस बारे में विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। शिविर में मरीजों का रजिस्ट्रेशन किया गया। नि-क्षम मित्र अरोमा एग्रो टेक लि. की ओर से 25 टीबी मरीजों को अपनाया गया। इन्हें 6 महीने तक पोषण आहार उपलब्ध कराया जाएगा। उप सिविल सर्जन डा. सिमी ने संपन्न लोगों से अपील की कि टीबी उन्मूलन के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए टीबी मरीजों को गोद (एडाप्ट) लें।

इस मौके पर सिविल सर्जन डॉ. पूनम चौधरी ने बताया कि स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार के तहत पूरा पखवाड़ा ऐसे शिविर अलग-अलग स्थानों पर आयोजित किए जाएंगे। 19 अक्तूबर को सीएचसी पाढ़ा, 20 को असंध के सरकारी अस्पताल, 24 को सीएचसी निगदू, 25 को बला, 26 को तरावड़ी में शिविर लगाए जाएंगे। एक अक्टूबर को करनाल के सरकारी अस्पताल में मेगा कैंप का आयोजन किया जाएगा जिसमें शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी भाग लेंगे।

इस मौके पर एसडीएम राजेश सोनी, पूर्व चेयरमैन निर्मल बैरागी एसएमओ मुनेष गोयल, एचएमओ डॉ. विनोद गुप्ता, दंत चिकित्सक डा. प्रदीप, मंडल अध्यक्ष रोहित भंडारी, यशपाल ठाकुर, मंडल महामंत्री सुरेंद्र सैनी, तरसेम राणा, पार्षद अमित गुप्ता, सोमनाथ प्रजापत, अनिल जावा, संजीव पाल आदि मौजूद रहे।

नीतीश कुमार ने धार्मिक न्यास समागम का किया उद्घाटन

पटना (एजेन्सी)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सम्राट अशोक कन्वेंशन केन्द्र स्थित बापू सभागार में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद द्वारा आयोजित धार्मिक न्यास समागम का दीप प्रज्ज्वलित कर उद्घाटन किया। इस अवसर पर उपस्थित बड़ी संख्या में साधु-संतों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने मुख्यमंत्री का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने भी साधु-संतों एवं गणमान्य व्यक्तिो का अभिवादन किया। मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार को बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद द्वारा हरित पौधा एवं प्रतीक चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत किया गया।

भवनों और सड़कों के निर्माण में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगाः सीएम नायब सैनी

खामियां छोड़कर कार्य आवंटित करने वाले अधिकारियों पर होगी सख्त कार्रवाई

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भवनों व सड़कों के निर्माण कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या खामी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा कि ड्राइंग और निविदा दस्तावेजों में जानबूझकर त्रुटियां छोड़कर कार्य आवंटित करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्माण सामग्री की गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता स्वीकार्य नहीं होगा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी आज लोकनिर्माण विभाग की बुलाई गई कैबिनेट सब-कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में लोक निर्माण मंत्री रणबीर गंगवा भी उपस्थित रहे। बैठक में मुख्यमंत्री ने नाहर सिंह स्टेडियम, फरीदाबाद के

निकट बन रहे पैरा ओलंपिक भवन, महेंद्रगढ़ में न्यायिक परिसर में सिविल जज (जूनियर व सीनियर) के पांच आवासीय परिसरों, तथा चरखी दादरी के ढिगावा जाटान में राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के भवन निर्माण कार्य की इन्हांसमेंट को स्वीकृति प्रदान की। मुख्यमंत्री ने हरियाणा खेल विश्वविद्यालय, राई (सोनीपत) के प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, हॉस्टल, स्पोर्ट्स इन्फ्रास्ट्रक्चर भवन और पूरे विश्वविद्यालय परिसर के कार्यों की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) दो महीने के भीतर तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खेलों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय का डिजाइन तैयार किया जाए ताकि यह खिलाड़ियों के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं से युक्त हो। बैठक में लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल, माध्यमिक शिक्षा विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री विनीत गर्ग, खेल विभाग के प्रधान सचिव श्री नवदीप विर्क सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

सम्पादकीय

घृणा अभियान

पंजाब में दूसरे राज्यों से आए मजदूरों का उड़ाया जाने वाला उपहास अब उनके विरोध यहां तक कि उन्हें पंजाब से बाहर करने की मांग तक पहुंच गया है। इन मजदूरों से खैनी-गुटका खाने से लेकर हर छोटे-मोटे अपराधों से इनका नाम जोड़ कर और बाहरी राज्यों से आए अपराधी किस्म के लोगों द्वारा किए गए घिनौने कृत्यों की आड़ में प्रदेश में घृणा अभियान चलाया जा रहा है। गत दिनों 13 सितम्बर को होशियारपुर में दूसरे राज्य से आए एक व्यक्ति ने 5 वर्षीय हरवीर के साथ दानवों जैसा व्यवहार किया और बाद में उसकी नृशंस हत्या कर दी। पुलिस ने इसके आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है परन्तु इस घटना से उपजे आक्रोश की आड़ में कट्टरपंथी शक्तियों ने अपना घिनौना खेल खेलना शुरू कर दिया है। अब राज्य में कई स्थानों पर पंचायतें दूसरे राज्यों से आने वाले श्रमिकों के विरुद्ध प्रस्ताव पारित कर रही हैं। केवल होशियारपुर में ही 25 पंचायतें इस तरह का प्रस्ताव पारित कर चुकी हैं जिसमें बाहर से आए श्रमिकों को काम न देने, रहने को मकान न देने, उनके आधार कार्ड व राशन कार्ड न बना कर देने की बात कही गई है। बठिंडा में भी गहरी देवी नगर की पंचायत ने इस तरह का प्रस्ताव पारित किया है। पंजाब में इन दिनों सोशल मीडिया पर बाहरी राज्यों से आए इन मजदूरों के खिलाफ घृणा अभियान चलाया जा रहा है, जिनमें मेहनती मजदूरों की छवि को अपराधिक बना कर पेश किया जा रहा है। इन मजदूरों के खिलाफ विषवमन करने वालों में कनाडा, अमेरिका, इटली, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया में बैठे अलगाववादी लोग सबसे आगे हैं। इसी के चलते पंजाब में प्रवासी मजदूरों के साथ हो रहे दुर्व्यवहार की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है। उत्तर प्रदेश और बिहार से आए प्रवासी मजदूरों को गाँवों में काम करने की अनुमति नहीं दी जा रही है। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी ने विधानसभा चुनाव प्रचार अभिचान में उत्तर प्रदेश और बिहार से आने वाले प्रवासी मजदूरों को अपमानजनक अर्थ में ह्वभैयाह्न कहा था। दुखद बात यह है कि उस समय मंच पर मौजूद पार्टी की नेता प्रियंका गांधी ने चन्नी के इस शर्मनाक ब्यान पर तालियां बजाई थीं। ऐसा ही एक मामला आया है मोहाली से, जहाँ एक गाँव से प्रवासी मजदूरों को भगाया गया। मोहाली जिले के जंडपुर गाँव में प्रवासी मजदूरों को घर किराए पर लेने की अनुमति नहीं है। गाँव में उनके लिए 11 तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं, जिनमें रात 9 बजे के बाद बाहर जाने पर प्रतिबंध, धूम्रपान और तम्बाकू चबाने पर पाबंदी, और उनके कपड़ों को लेकर सख्त नियम शामिल हैं। गाँव के गुरुद्वारा कमेटी ने यह फैसला लिया कि प्रवासी मजदूर अब गाँवों में नहीं रह सकते। इसी साल अगस्त में मुंडो संगतियां गाँव से प्रवासी मजदूरों को निकालने का सिलसिला शुरू हुआ। जब मजदूरों को काम से निकाल कर गाँव से बाहर कर दिया गया, तो यह मामला पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय तक पहुँचा। वैभव वत्स नामक एक व्यक्ति ने प्रवासी मजदूरों को अवैध रूप से निकालने के खिलाफ याचिका दायर की, जिससे यह मामला कानूनी चर्चा में आया। दूसरी तरफ, प्रवासी मजदूरों का दर्द है कि वे अपनी मेहनत से पैसे कमाते हैं, लेकिन उन्हें यहां सम्मान नहीं मिलता। मजदूरों को भैया कहकर अपमानित किया जाता है और उनके सांवले रंग के कारण उन्हें भेदभाव का सामना करना पड़ता है। लुधियाना, जालन्धर, अमृतसर जैसे उद्योगिक नगरों में अपराधी तत्व आटो चालकों, रेहड़ी-फड़ी वालों, फेरी वालों को अकेला देख कर लूट लेते हैं। वेतन वाले दिन यह श्रमिक इन अपराधी तत्वों का विशेष लक्ष्य होते हैं और फैक्ट्री से घर जाते समय इनको रास्ते में लूट लिया जाता है। पुलिस प्रशासन इनकी शिकायतों पर ध्यान नहीं देता और कई बार तो प्राथमिकी भी दर्ज नहीं की जाती। बहुत सी श्रमिक बस्तियां सडक, बिजली, पानी, सीवरेज जैसे मौलिक सुविधाओं से वंचित हैं और इन श्रमिकों को नारकीय जीवन जीना पड़ रहा है। राजनीतिक दल बहला फुसला कर इनसे वोटें तो हासिल कर लेते हैं परंतु असंगठित होने के कारण इनकी मांगों पर गौर तक नहीं किया जाता। समय की मांग है कि आपराधिक कृत्यों पर सख्त कार्रवाई करते हुए श्रमिक वर्ग के खिलाफ अभियान चलाने वाली शक्तियों के खिलाफ सख्ती से पेश आया जाए और पंजाब में निवास कर रहे बाहरी राज्यों के श्रमिकों को पूरी सुरक्षा व नागरिक सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएं। प्रदेश में चले इस अभियान को हल्के में नहीं लिया जा सकता, क्योंकि प्रदेश पिछले कई दशकों से अलगाववाद की आग में जल रहा है। बिखराव की इस आंच में अलाव डालने का काम देश-विदेश में बैठी समाज विरोधी शक्तियां कर रही हैं। सोशल मीडिया पर चल रहे इस अभियान के एक्स, फेसबुक, इंस्टाग्राम हैण्डलरों के थ्रेड ही चेक कर लिए जाएं तो सारी स्थिति स्पष्ट हो जाती है कि इसके पीछे कौन हैं।

जयंती

कुंवर नारायण

जन्म-19 सितम्बर, 1927, फैजाबाद, उत्तर प्रदेश; मृत्यु-15 नवम्बर, 2017 दिल्ली) हिन्दी के सम्मानित कवियों में गिने जाते थे। कुंवर जी की प्रतिष्ठा और आदर हिन्दी साहित्य की भयानक गुटबाजी के परे सर्वमान्य है। उनकी ख्याति सिर्फ. एक लेखक की तरह ही नहीं, बल्कि कला की अनेक विधाओं में गहरी रुचि रखने वाले रसिक विचारक के समान भी है। कुंवर नारायण को अपनी रचनाशीलता में इतिहास और मिथक के माध्यम से वर्तमान को देखने के लिए जाना जाता है। उनका रचना संसार इतना व्यापक एवं जटिल है कि उसको कोई एक नाम देना सम्भव नहीं है। फिल्म समीक्षा तथा अन्य कलाओं पर भी उनके लेख नियमित रूप से पत्र-पत्रिकाओं में छपते रहे हैं। आपने अनेक अन्य भाषाओं के कवियों का हिन्दी में अनुवाद किया है और उनकी स्वयं की कविताओं और कहानियों के कई अनुवाद विभिन्न भारतीय और विदेशी भाषाओं में छपे हैं। 'आत्मजयी' का 1989 में इतालवी अनुवाद रोम से प्रकाशित हो चुका है। 'युगचेतना' और 'नया प्रतीक' तथा 'छायानट' के संपादक-मण्डल में भी कुंवर नारायण रहे हैं।

पुण्यतिथि

सरस्वती प्रसाद

जन्म: 28 अगस्त, 1932-मृत्यु: 19 सितम्बर, 2013) चर्चित लेखिका, सुमित्रानंदन पंत की मानस पुत्री एवं समकालीन कवयित्री रश्मि प्रभा की माँ हैं। सरस्वती प्रसाद के प्रकाशित संग्रह-'नदी पुकारे सागर' और 'एक थी तरु' एवं प्रकाशित रचनाएँ-कादम्बिनी, साप्ताहिक हिंदुस्तान, नैन्सी हैं।

कल मिलेंगे

दादी को गीता पढ़ते देख पोते ने अपनी मां से पूछा...
मां...दादी कौन सी परीक्षा की तैयारी कर रही हैं...?
मां-बेटा ये फाइनल ईयर की तैयारी कर रही हैं...!!!

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635

E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com

(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

क्या भारत की 'घर में घुसकर मारने' की नीति पर असर डालेगा सऊदी-पाक करार?

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा करार को भारत के लिए चिंताजनक बता रहे लोगों को यह भी देखना चाहिए कि पाकिस्तान लंबे समय से सऊदी अरब की सैन्य मदद पर निर्भर रहा है। सऊदी ने उसे वित्तीय पैकेज दिए हैं और कभी-कभी तेल आपूर्ति में रियायतें भी दी हैं। नए रक्षा करार से पाकिस्तान को यह भरोसा मिल सकता है कि सऊदी अरब उसके साथ खड़ा होगा

-नीरज कुमार दुबे

पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा करार कर लिया है इससे पाकिस्तान यह सोच रहा होगा कि अब किसी आतंकी वारदात के बाद भारत उसे घर में घुस कर मार नहीं पायेगा। यदि ऐसा है तो पाकिस्तान की यह सोच गलत है कि क्योंकि भारत कह चुका है कि हमले का बदला घर में घुस कर लिया जायेगा और यही अब 'न्यू नॉर्मल' है। देखा जाये तो ऑपरेशन सिंदूर से पहले भारत को पता था कि पाकिस्तान को बचाने के लिए उसके दोस्त चीन और तुर्की आयेंगे लेकिन फिर भी भारत ने घर में घुस कर मारा। इसी तरह बालाकोट एअर स्ट्राइक से पहले भारत को पता था कि पाकिस्तान को बचाने के लिए चीन पीछे से उसका साथ देगा फिर भी भारत ने घर में घुस कर मारा। इसी प्रकार, भारत को सर्जिकल स्ट्राइक से पहले पता था कि पाकिस्तान को बचाने के लिए आतंकवादी संगठन और उसके आका तथा चीन सामने आयेंगे लेकिन भारत ने फिर भी घर में घुस कर मारा। इसलिए पाकिस्तान चाहे सऊदी अरब से रक्षा संबंध बना ले या फिर दुनिया की किसी भी दूसरी शक्ति से रक्षा करार कर ले, भारत की नीति स्पष्ट है कि यदि उसके खिलाफ कोई हमला हुआ तो हम राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए घर में घुस कर बदला लेंगे चाहे सामने एक दुश्मन हो या दुश्मन के एक दर्जन साथी भी साथ हों।

यहां यह भी समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान ने सऊदी अरब के साथ रक्षा करार तो कर लिया है लेकिन सऊदी अरब की सैन्य ताकत भारतीय सेना के सामने कितनी प्रभावी है। हम आपको बता दें कि भारत की सेना वर्तमान में लगभग 1.45 मिलियन सक्रिय और 2.1 मिलियन आरक्षित सैनिकों के साथ दुनिया की सबसे बड़ी सेनाओं में से एक है। इसमें थलसेना, नौसेना, वायुसेना और विशेष बल शामिल हैं। इसके विपरीत, सऊदी अरब की सेना 2.5-2.6 लाख सक्रिय सैनिकों और कुछ हजार आरक्षित बलों पर आधारित है। स्पष्ट है कि केवल संख्या के हिसाब से भी भारतीय सेना कई गुना बड़ी और विविधीकृत है। इसके अलावा, भारतीय थलसेना के पास T-90 और अर्जुन टैंकों जैसी आधुनिक सामरिक क्षमताएं हैं और यह भारी आर्टिलरी और अनुभवी पैदल सेना से लैस है। दूसरी ओर, सऊदी सेना आधुनिक हथियारों के बावजूद अपने युद्ध अनुभव में सीमित है। यमन के संघर्षों ने इसे पूरी तरह उजागर किया है कि केवल हथियारों की मौजूदगी किसी सैन्य ताकत को अजेय नहीं बनाती।

इसके अलावा, भारतीय वायुसेना लगभग 750 लड़ाकू विमानों के साथ क्षेत्रीय श्रेष्ठता रखती है, जिसमें Su-30MKI, Mirage 2000, Rafale और हल्के LCA Tejas शामिल हैं। इसके मुकाबले, सऊदी वायुसेना में 300-350 लड़ाकू विमान हैं, जो आधुनिक तो हैं, पर संचालन क्षमता में विदेशी विशेषज्ञता पर निर्भर हैं। वहीं, भारतीय नौसेना अपने विमानवाहक पोत INS विक्रांत, 150+ जहाजों और रणनीतिक पनडुब्बियों के साथ, सऊदी नौसेना की तुलना में क्षेत्रीय समुद्री नियंत्रण में कहीं अधिक सक्षम है। इसके अलावा, भारतीय सेना स्वदेशी रक्षा तकनीक, परमाणु तंत्र, बैलिस्टिक मिसाइल और साइबर क्षमता में आत्मनिर्भर है। इसके विपरीत, सऊदी अरब भारी निवेश के बावजूद विदेशी तकनीक पर निर्भर है। इसके एंटी-मिसाइल सिस्टम और आधुनिक विमान उतने प्रभावी नहीं हैं, जितना कि उनके बजट से प्रतीत होता है। सऊदी अरब ने Patriot और THAAD जैसी प्रणालियाँ तैनात की हैं जो बैलिस्टिक मिसाइल और क्रूज मिसाइल खतरों से सुरक्षा देती हैं। फिर भी यमन के हौथी विद्रोहियों द्वारा ड्रोन और मिसाइल हमलों ने यह साबित किया कि यह कवच पूरी तरह अभेद्य नहीं है। देखा जाये तो असली ताकत का निर्धारण केवल हथियार और बजट से नहीं होता। भारत ने कई युद्धों और हाल के सीमाई तनावों में वास्तविक अनुभव और रणनीतिक समझ का परिचय दिया है। सऊदी अरब के पास यह अनुभव ही नहीं है। भारत के पास रणनीतिक स्वतंत्रता और निर्णायक क्षमता है, जबकि सऊदी अरब को लंबी लड़ाइयों में विदेशी समर्थन की आवश्यकता पड़ेगी। कुल मिलाकर देखें तो सऊदी अरब की सेना तकनीकी रूप से आधुनिक और बजट में बड़ी जरूर है, लेकिन भारतीय सेना की तुलना में कमजोर, अनुभवहीन और विदेशी सहायता पर निर्भर है। भारतीय सेना के पास संख्या, विविधता, सामरिक अनुभव और आत्मनिर्भरता की वजह से निर्णायक श्रेष्ठता है। किसी भी संभावित संघर्ष में भारत की घर में घुसकर बदला नीति को चुनौती देना आसान नहीं होगा। सच यही है कि सऊदी-पाक समझौता पाकिस्तान को आंशिक आत्मविश्वास दे सकता है, लेकिन भारतीय सामरिक दृष्टिकोण और युद्ध अनुभव उसे क्षेत्रीय परिदृश्य में हमेशा प्रमुख बनाए रखेंगे। देखा जाये तो आधुनिक युद्ध और रणनीति केवल चमक-दमक से तय नहीं होती; असली ताकत अनुभव, आत्मनिर्भरता और रणनीतिक सोच में निहित होती है और इन मामलों में भारत सऊदी अरब से कहीं आगे है।

साथ ही, यह भी यथार्थ है कि सऊदी अरब की खुद की रणनीतिक प्राथमिकताएँ भारत के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने पर केंद्रित हैं। हम आपको बता दें कि भारत और सऊदी अरब के बीच रिश्ते केवल तेल आयात और प्रवासी भारतीयों तक सीमित नहीं हैं। बीते वर्षों में रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी बढ़ा है। सऊदी अरब भारत का रणनीतिक साझेदार है और दोनों देशों ने आतंकवाद विरोधी सहयोग पर कई समझौते किए हैं। भारत सऊदी को एक स्थिर साझेदार के रूप में देखता है और सऊदी को भी भारत की आर्थिक और तकनीकी शक्ति की आवश्यकता है। यदि किसी विशेष परिस्थिति में सऊदी अरब पाकिस्तान का साथ देता भी है तो उस परिस्थिति में भी भारत के लिए अवसर हैं। इजरायल और ईरान जैसे देशों के साथ गहरे सामरिक संबंध भारत के लिए एक संतुलनकारी भूमिका निभा सकते हैं।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुए रक्षा करार को भारत के लिए चिंताजनक बता रहे लोगों को यह भी देखना चाहिए कि पाकिस्तान लंबे समय से सऊदी अरब की सैन्य मदद पर निर्भर रहा है। सऊदी ने उसे वित्तीय पैकेज दिए हैं और कभी-कभी तेल आपूर्ति में रियायतें भी दी हैं। नए रक्षा करार से पाकिस्तान को यह भरोसा मिल सकता है कि सऊदी अरब उसके साथ खड़ा होगा। लेकिन व्यवहारिक दृष्टि से देखें तो सऊदी अरब भारत के साथ अपने रिश्ते खराब करने का जोखिम नहीं उठाएगा, क्योंकि भारत न केवल एक बड़ा ऊर्जा उपभोक्ता है बल्कि निवेश और व्यापार का भी अहम बाजार है।

जहां तक सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच स्ट्रैटेजिक म्यूचुअल डिफेंस एग्रीमेंट की बात है तो उसे इस तरह देखा जा सकता है कि दशकों से दोनों देशों के बीच जो सुरक्षा सहयोग अनौपचारिक स्तर पर चलता रहा, अब उसे एक औपचारिक रूप प्रदान कर दिया गया है। इस समझौते की सबसे अहम धारा यह है कि किसी एक देश पर आक्रमण, दोनों पर आक्रमण माना जाएगा। पाकिस्तान के लिए यह समझौता कई स्तरों पर महत्व रखता है। सबसे पहले, यह उसे एक प्रकार की रणनीतिक सुरक्षा गारंटी प्रदान करता है। अफगानिस्तान की अस्थिरता और भारत के साथ निरंतर तनावपूर्ण रिश्तों के बीच, सऊदी अरब जैसा शक्तिशाली सहयोगी औपचारिक रूप से पाकिस्तान के साथ खड़ा दिखाई दे रहा है। इससे पाकिस्तान का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वह अपने पड़ोसियों पर दबाव बनाने की कोशिश करेगा।

दूसरे, यह संधि पाकिस्तान को सैन्य और आर्थिक सहयोग की नई राहें खोलती है। उसकी डगमगाती अर्थव्यवस्था और सीमित रक्षा संसाधनों के बीच सऊदी अरब से संभावित वित्तीय व तकनीकी सहयोग राहत देगा। अब तक पाकिस्तान ने 8,000 से अधिक सऊदी सैन्यकर्मियों को प्रशिक्षण दिया है। इस समझौते से संयुक्त अभ्यास और हथियार प्रणालियों का आदान-प्रदान और गहरा हो सकता है। तीसरे, यह समझौता पाकिस्तान की इस्लामी दुनिया में कूटनीतिक हैसियत को मजबूती देता है। लंबे समय से पाकिस्तान खुद को इस्लामिक जगत का प्रतिनिधि मानने की कोशिश करता रहा है। सऊदी अरब, जो इस्लामी देशों का परंपरागत नेता माना जाता है, यदि पाकिस्तान के साथ औपचारिक रक्षा-संधि करता है तो इस्लामिक मंचों पर पाकिस्तान की स्थिति स्वाभाविक रूप से मजबूत होती है।

इसके अलावा, पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच रक्षा करार को यदि अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में देखें तो इसमें अमेरिका और चीन दोनों की भूमिका भी अहम होगी। अमेरिका पारंपरिक रूप से सऊदी सुरक्षा का संरक्षक रहा है, जबकि चीन पाकिस्तान का निकटतम सामरिक सहयोगी है। यदि यह समझौता व्यावहारिक रूप में गहराता है, तो यह दोनों महाशक्तियों की प्रतिस्पर्धा का नया मंच भी बन सकता है। इजरायल कारक को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

सीजेआई ने हिंदू आस्था का अपमान किया या उनकी टिप्पणी को संदर्भ से हटा कर पेश किया गया?

पूरे प्रकरण पर नजर डालें तो सामने आता है कि सुप्रीम कोर्ट ने यूनेस्को की विश्व विरासतों में शुमार मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो मंदिर के परिसर में मौजूद जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची प्रतिमा को पुन: स्थापित करने के अनुरोध से जुड़ी एक याचिका मंगलवार को खारिज करते हुए कहा कि यह चर्चा में आने के लिए दायर की गई है

-नीरज कुमार दुबे

भारत जैसे लोकतांत्रिक और विविधतापूर्ण समाज में न्यायपालिका को सबसे सम्मानित संस्था माना जाता है। सर्वोच्च न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश की हर टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से बल्कि सामाजिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जाती है। मगर हाल ही में प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई द्वारा भगवान विष्णु के संदर्भ में की गई टिप्पणी को लेकर जो विवाद खड़ा हुआ है, उसने न्यायपालिका और आस्था के बीच संतुलन की संवेदनशील बहस को जन्म दे दिया है।

हम आपको बता दें कि प्रधान न्यायाधीश ने एक मामले की सुनवाई के दौरान भगवान विष्णु को लेकर ऐसा संदर्भ दिया जिसे कई धार्मिक संगठनों और संतों ने अनुचित ठहराया है। उनका तर्क है कि सर्वोच्च न्यायालय जैसी संस्था से इस तरह की टिप्पणी लोगों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचा सकती है। दूसरी ओर, कुछ लोग इसे न्यायिक विमर्श के दौरान कही गई एक सामान्य टिप्पणी मानते हैं, जिसका उद्देश्य किसी की आस्था का अपमान करना नहीं था।

पूरे प्रकरण पर नजर डालें तो सामने आता है कि सुप्रीम कोर्ट ने यूनेस्को की विश्व विरासतों में शुमार मध्य प्रदेश में स्थित खजुराहो मंदिर के परिसर में मौजूद जावरी मंदिर में भगवान विष्णु की सात फुट ऊंची प्रतिमा को पुनः स्थापित करने के अनुरोध से जुड़ी एक याचिका मंगलवार को खारिज करते हुए कहा कि यह चर्चा में आने के लिए दायर की गई है। प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के. विनोद चंद्र ने राकेश दलाल नामक व्यक्ति की याचिका पर विचार करने से इंकार कर दिया, जिसमें छतरपुर जिले के जावरी मंदिर में क्षतिग्रस्त मूर्ति को बदलने और उसकी प्राण प्रतिष्ठा कराने का अनुरोध किया गया था। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "यह पूरी तरह से प्रचार पाने के लिए दायर याचिका है...जाकर स्वयं भगवान से कुछ करने के लिए कहिए। अगर आप कह रहे हैं कि आप भगवान विष्णु के प्रति गहरी आस्था रखते हैं, तो प्रार्थना करें और थोड़ा ध्यान लगाएं।" याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि मूर्ति का सिर जीर्ण-शीर्ण हो चुका है और इसके पुनर्निर्माण की अनुमति देने के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना चाहिए। परन्तु पीठ ने कहा कि यह मुद्दा पूरी तरह से भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकार क्षेत्र में आता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, "यह (मूर्ति) पुरातात्विक खुदाई में मिली थी, एएसआई ऐसा करने (मूर्ति को ठीक करने) की अनुमति देगा या नहीं... इसको लेकर कई मुद्दे हैं।" प्रधान न्यायाधीश ने कहा, ह्वइस बीच, अगर आप चाहें तो वहां जाकर पूजा कर सकते हैं... वहां एक बहुत बड़ा शिवलिंग है, जो खजुराहो में सबसे बड़े शिवलिंगों में से एक है ह्व राकेश दलाल की याचिका में मूर्ति को बदलने या पुनर्निर्माण के लिए निर्देश देने का अनुरोध करते हुए यह भी कहा गया था कि केंद्रीय गृह मंत्रालय और एएसआई को कई बार ज्ञापन सौंपा जा चुका है।

दूसरी ओर, प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी को लेकर हो रहे विवाद के बाद कुछ राजनीतिक दल भी इसमें कूद पड़े हैं। टीवी चैनलों और सोशल मीडिया पर यह मुद्दा तेजी से बहस का विषय बना हुआ है। यहाँ एक गंभीर सवाल उठता है-क्या न्यायपालिका की किसी टिप्पणी को हमेशा धार्मिक और राजनीतिक चश्मे से देखा जाना चाहिए? या फिर हमें यह समझना चाहिए कि अदालत में कही गई बातें अक्सर संदर्भ-विशेष में होती हैं और उनका सीधा उद्देश्य धार्मिक मान्यताओं को चुनौती देना नहीं होता।

देखा जाये तो भारत का संविधान धर्मनिरपेक्षता का पक्षधर है। इसका अर्थ यह है कि राज्य और उसकी संस्थाएँ किसी विशेष धर्म का पक्ष नहीं ले सकतीं, परंतु साथ ही यह भी अपेक्षा की जाती है कि वे लोगों की आस्था और भावनाओं का सम्मान करें। न्यायपालिका को विशेष सावधानी बरतनी पड़ती है क्योंकि उसका हर शब्द नजीर बन सकता है। प्रधान न्यायाधीश जैसे पद से जुड़ी जिम्मेदारी और भी बड़ी होती है। इसलिए यह अपेक्षा स्वाभाविक है कि उनके कथन सदैव संतुलित, शालीन और विवाद से परे हों।

इसमें भी कोई दो राय नहीं कि आज के दौर में मीडिया और सोशल मीडिया किसी भी टिप्पणी को तत्काल वायरल कर देते हैं। इससे बात का संदर्भ खो जाता है और केवल विवाद ही उभर कर सामने आता है। यही स्थिति इस प्रसंग में भी देखने को मिल रही है। वास्तविक सवाल यह है कि क्या इस बहस से न्यायपालिका की गरिमा को ठेस पहुँच रही है और क्या जनता का ध्यान उन मूलभूत मुद्दों से हट रहा है जिन पर न्यायालयों को ध्यान केंद्रित करना चाहिए-जैसे न्याय में देरी, लंबित मामलों का बोझ और न्यायिक सुधार।

देखा जाये तो विवाद के इस दौर में संतुलन की आवश्यकता है। न्यायपालिका को चाहिए कि धार्मिक और सांस्कृतिक प्रतीकों का उल्लेख करते समय अत्यधिक सावधानी बरते। वहीं राजनीतिक दलों को चाहिए कि न्यायिक टिप्पणियों को राजनीति का हथियार न बनाएँ। साथ ही जनता और मीडिया को चाहिए कि संदर्भ को समझें और अनावश्यक उत्तेजना फैलाने से बचें। भारत की शक्ति उसकी विविधता और सहनशीलता में है। यदि न्यायपालिका और समाज इस संतुलन को बनाए रखेंगे तो लोकतंत्र और मजबूत होगा।

बहरहाल, प्रधान न्यायाधीश की टिप्पणी को लेकर उठा विवाद इस बात की याद दिलाता है कि आस्था और कानून के बीच की रेखा कितनी संवेदनशील है। न्यायपालिका से लोगों की उम्मीद केवल न्याय तक सीमित नहीं होती, बल्कि वह उनकी सांस्कृतिक भावनाओं के सम्मान से भी जुड़ी होती है। इसलिए आगे की राह यही होनी चाहिए कि संस्थाएँ और समाज दोनों परिपक्वता दिखाएँ। भारत के लोकतंत्र की नींव विश्वास और गरिमा पर टिकी है। यह विवाद अगर हमें इस संतुलन को और गहराई से समझने का अवसर देता है, तो इसे सकारात्मक सीख में बदला जा सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

पहले दोस्त बोला, अब फिर भारत पर पलटे ट्रंप, ड्रग्स तस्करी का आरोप लगा अधिकारियों का वीजा किया रद्द

(एजेन्सी)।
अमेरिका ने फेंटेनाइल प्रीकर्सर की तस्करी में संलिप्तता के आरोप में भारत के कुछ व्यावसायिक अधिकारियों और कॉर्पोरेट नेतृत्व के वीजा रद्द कर दिए हैं और उन्हें वीजा देने से इनकार कर दिया है, हालांकि अमेरिकी दूतावास ने प्रभावित व्यक्तियों की पहचान बताने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी दूतावास ने एक बयान में कहा कि व्यापारिक अधिकारियों और कॉर्पोरेट नेताओं के वीजा को रद्द करने और बाद में अस्वीकार करने का कदम अमेरिकियों को खतरनाक सिंथेटिक नशीले पदार्थों से सुरक्षित रखने के ट्रम्प प्रशासन के प्रयासों को आगे बढ़ाने के लिए उठाया गया। भारतीय अधिकारियों की ओर से इस घटनाक्रम पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई। इस साल यह दूसरी बार है जब अमेरिका ने भारतीय नागरिकों के लिए वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की है। मई में विदेश विभाग ने भारत में ट्रैवल एजेंसियों के मालिकों और अधिकारियों पर जानबूझकर अमेरिका में अवैध आव्रजन को बढ़ावा देने के लिए वीजा प्रतिबंधों की घोषणा की थी। अमेरिकी दूतावास ने कहा कि गुरुवार की कार्रवाई आव्रजन और राष्ट्रीयता अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत की गई थी, और प्रभावित व्यक्ति और करीबी परिवार के सदस्य संयुक्त राज्य अमेरिका की यात्रा के लिए अयोग्य हो सकते हैं। दूतावास ने कहा कि वह फेंटेनल की तस्करी करने वाली कंपनियों से जुड़े अधिकारियों को चिन्हित कर रहा है ताकि अगर वे अमेरिकी वीजा के लिए आवेदन करते हैं तो उनकी कड़ी जांच की जा सके। अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका इन कंपनियों और व्यक्तियों के नाम जारी करने में असमर्थ है।

अब रसोई तक पहुंचा रूस, दोस्ती निभाना कोई भारत से सीखे

(एजेन्सी)।
भारत और रूस की यारी ने एक बार फिर पूरी दुनिया की नींद उड़ा दी है। ये यारी सिर्फ हथियारों और तेल तक सीमित नहीं है बल्कि अब ये हमारी थाली तक पहुंच चुकी है। दुनिया को ये साफ-साफ संदेश मिल गया है कि दोस्ती अगर है तो भारत और रूस जैसी है। जहां एक ने मुश्किल वक्त में साथ दिया तो दूसरे ने दिल खोलकर भरोसा जताया। तेल छोड़कर दाल खरीदने की ये कहानी सिर्फ व्यापार की नहीं बल्कि रिश्तों की गहराई की है। पुतिन इस एहसान को कभी नहीं भूलेंगे। दरअसल, ताजा रिपोर्ट ने सभी को हैरान कर दिया। रूस के फेडरल एग्रो सेंटर की रिपोर्ट के अनुसार 2025 में भारत ने रूस से 9.46600 टन दालें खरीदी। इसकी कीमत लगभग 460.9 मिलियन डॉलर यानी करीब 38 अरब रुपए। इतना ही नहीं 2024 में रूस, कनाडा के बाद भारत का मटर का दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक बन गया। भारत ने साल 2024 में रूस से 44.9 मिलियन डॉलर मूल्य के 896,800 टन मटर का निर्यात किया। पहली बार रूस 2.6 बिलियन डॉलर की बिक्री के साथ भारतीय बाजार में शीर्ष पांच कृषि निर्यातकों में शामिल हो गया। मतलब कि अब केवल हथियार और तेल बेचने वाला साझेदार नहीं बल्कि रूस हमारी रसोई तक पहुंच चुका है। ये भारत के लिए गर्व की बात है क्योंकि भारत अपनी दोस्ती निभा रहा है। तेल और गैस का व्यापार तो दुनियाभर में विवादों में फंसा रहता है। लेकिन दालों का सौदा असली भरोसा साबित करता है। भारत ने दिखा दिया कि हम दोस्ती केवल बड़े प्रोजेक्ट में नहीं बल्कि रोजमर्रा की जरूरतों में भी निभाते हैं। ट्रंप के टैरिफ के दबाव के बावजूद भारत ने रिकॉर्ड स्तर पर रूस से तेल खरीदना अभी भी बंद नहीं किया है। अगस्त में भारत ने पिछले महीने यानी की जुलाई के मुकाबले ज्यादा तेल खरीदा है। वहीं रूस से तेल खरीदने में चीन भी पीछे नहीं हटा। चीन भी बराबर और बड़े स्तर पर तेल खरीद रहा है। जुलाई के मुकाबले अगस्त में चीन ने रूस से तेल जरूर कम खरीदा। लेकिन ये इतना कम नहीं था की रूस को झटका लगे।

बिग बॉस 19 में अभिषेक बजाज का गुस्सा फूटा!

(एजेन्सी)।
17 सितंबर के एपिसोड में, बिग बॉस ने घरवालों को नॉमिनेशन पर चर्चा करते हुए पकड़ा, जो नियमों के विरुद्ध है। नतीजतन, उन्होंने कैप्टन अमाल मलिक को छोड़कर बाकी सभी को घर से बेघर होने के लिए नॉमिनेट करके पूरे घर को सजा दी। बाद में, बिग बॉस ने घरवालों को इस हफ्ते के नॉमिनेशन से दो घरवालों को बचाने का दूसरा मौका दिया। उनके वोटों के आधार पर, नीलम, गौरव, फरहाना, तान्या, आवेज, शहबाज, जीशान, मृदुल, कुनिका और कैप्टन अमाल को बचा लिया गया। इस हफ्ते घर से बेघर होने वाले नॉमिनेट में नेहल, अशनूर, प्रणित, बसीर और अभिषेक शामिल हैं। 25वें दिन, बिग बॉस ने एक नया कैप्टेंसी टास्क शुरू किया जिसमें टीम अ और टीम इ के बीच सोने के बिस्कुट इकट्ठा करने की होड़ लगी। अमाल को टास्क का संचालक नियुक्त किया गया। टास्क के दौरान तनाव बढ़ गया क्योंकि नेहल और नीलम के बीच हाथापाई हो गई और फरहाना ने नीलम के साथ गाली-गलौज भी की। अमाल ने एपिसोड के अंत में चेतावनी दी कि कपड़ों में बिस्कुट छिपाना मना है और किसी भी अनुचित शारीरिक संपर्क को गंभीरता से लिया जाएगा। सलमान खान द्वारा होस्ट किया जाने वाला विवादास्पद रियलिटी शो, बिग बॉस 19, अपने अंतहीन ड्रामा और प्रतियोगियों के बीच तीखी लड़ाई से दर्शकों का मनोरंजन करता रहता है। हाल ही के एपिसोड में, दर्शकों ने करीबी दोस्तों अशनूर कौर और अभिषेक बजाज के बीच तनाव देखा, जिससे अन्य प्रतिभागी सदमे में आ गए। यह तब हुआ जब अशनूर ने स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2 के अभिनेता को कप्तानी के लिए नामांकित नहीं किया, जिससे उनके बीच एक बड़ी खाई पैदा हो गई।

इंस्टाग्राम पर शेयर किए गए एक वीडियो में, कुणिका सदानंद, अशनूर से पूछती हुई दिखाई दे रही हैं, "आपने अभिषेक को वोट क्यों नहीं दिया?" इस पर, टीवी अभिनेत्री कहती हैं, "मैं निष्पक्ष रहना चाहती थी।" आगे बढ़ते हुए, हम मतदान प्रक्रिया के बाद अवेज दरबार की आश्चर्यजनक प्रतिक्रिया देखते हैं। वह अशनूर से कहते हैं, अरे पागल वही में सोचु का कैलकुलेशन गलत हुआ। बाद में प्रोमो में अभिषेक अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहते हैं, "कैप्टन्सी का टास्क भी में ही पहली बार लाधू, दूसरी बार भी लाधू, तीसरी बार भी लाधू, पर कैप्टन हम किसी और को बनाते हैं।" (मैं कप्तानी के लिए पहली बार लड़ता हूं, दूसरी बार, तीसरी बार, लेकिन हम किसी और को कप्तान बना देते हैं।)

ये सुनकर अशनूर को अपनी गलती का एहसास हुआ और उन्होंने माना कि उनसे गलती हुई है. अभिषेक गुस्सा हो गए और यह कहते हुए कमरे से बाहर चले गए, "मैं गेम को फॉलो नहीं करता।" इसके अलावा, 'पटियाला बेब्स' की अभिनेत्री भावुक हो गईं और उन्होंने कहा, "मुझे बहुत बुरा लग रहा है, देखा जाए तो एक लौटा इंसान है इस घर में जिसे मैं सच में मानती हूं।"

अब तक 22 राज्यों को 3 .6 लाख करोड़ रुपये की 50-वर्षीय ब्याज-मुक्त सहायता दी गई: सीतारमण

(एजेन्सी)।
केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि अब तक 22 राज्यों को 50 साल की ब्याज-मुक्त सहायता के तहत लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। सीतारमण ने यहां सीआईआई जीसीसी बिजनेस समिट को संबोधित करते हुए कहा कि देश में पूंजीगत निवेश (राज्यों समेत) बढ़कर वित्त वर्ष 2024-25 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.1 प्रतिशत हो गया जबकि वित्त वर्ष 2013-14 में यह सिर्फ 1.7 प्रतिशत था। सीतारमण ने कहा, केंद्र सरकार ने राज्य सरकारों को 50 साल की ब्याज-मुक्त सहायता भी प्रदान की है ताकि वे अपनी पूंजीगत संपत्तियों को बढ़ा सकें और उन पर खर्च के लिए धन जुटा सकें। केंद्र ने सभी राज्यों को 50 साल की ब्याज-मुक्त राशि दी है और अब तक कुल मिलाकर लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये दिए जा चुके हैं। यह पिछले चार वर्षों की बात है। उन्होंने कहा, अब तक 22 राज्यों ने इसका इस्तेमाल किया है, जिससे उनके अपने संसाधनों से पूंजीगत व्यय में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज हुई है ह्व वित्त मंत्री ने कहा कि पिछले 11 वर्षों में 88 हवाई अड्डे चालू हुए, करीब 31,000 किलोमीटर की नई रेल पटरियां बिछाई गईं, मेट्रो नेटवर्क चार गुना बढ़ा, बंदरगाह क्षमता दोगुनी हुई और राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 60 प्रतिशत का विस्तार हुआ है। उन्होंने कहा कि केंद्र ने बुनियादी ढांचे और लॉजिस्टिक से जुड़ी बाधाओं को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर पहल की है। सीतारमण ने वैश्विक क्षमता केंद्रों (जीसीसी) के संदर्भ में कहा कि राज्य सरकारें निवेश आकर्षित करने और नीतिगत माहौल बनाने में अहम भूमिका निभा रही हैं।

वित्त मंत्री ने बताया कि पिछले बजट में केंद्र ने टियर-2 शहरों में जीसीसी को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय रूपरेखा का प्रस्ताव किया था। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें, उद्योग संगठन और वैश्विक कंपनियां मिलकर देश की जीसीसी क्षमता को और मजबूत कर सकती हैं।

नीरज चोपड़ा वर्ल्ड चैंपियनशिप से हुए बाहर

(एजेन्सी)। वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारत को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टोक्यो ओलंपिक मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हो गए हैं। नीरज चोपड़ा फाइनल में चौथे राउंड के बाद बाहर हो गए हैं। उन्होंने वर्ल्ड चैंपियनशिप फाइनल में 83.65 मीटर, 84.03 मीटर, 83.86 मीटर के थ्रो किए। फाइनल में 12 एथलीट ने हिस्सा जहां नीरज 8वें स्थान पर रहे। बता दें कि, नीरज चोपड़ा ने 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप का गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया था। ओलंपिक के साथ-साथ वर्ल्ड खिताब अपने नाम करने वाले चुनिंदा एथलीटों में जगह बनाई थी। अब वह दूसरी बार लगातार ये खिताब जीतने की उम्मीद खत्म हो गई है। सचिन यादव ने पहले ही प्रयास में 86.27 मीटर भाला फेंककर कमाल किया। ये उनका अब तक का व्यक्तिगत श्रेष्ठ थ्रो भी बन गया। दूसरा थ्रो दर्ज नहीं कराने वाले सचिन ने तीसरे प्रयास में 85.71 मीटर भाला फंका और पहले राउंड के बाद चौथे स्थान पर रहे। उन्होंने अपने चौथे थ्रो में 84.90 मीटर फेंका। इसके बाद 5वें प्रयास में 85.96 मीटर और छठे प्रयास में 80.95 मीटर भाला फेंका।

गुरमीत सिंह खुड्डियां ने डेयरी विकास विभाग में नव-नियुक्त उम्मीदवारों को नियुक्ति पत्र सौंपे

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब के पशु पालन, डेयरी विकास एवं मत्स्य पालन मंत्री स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने डेयरी विकास विभाग में भर्ती किए गए तीन नए क्लर्कों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इसके साथ ही वर्ष 2022 से अब तक इस विभाग में नई भर्तियों की कुल संख्या 52 हो गई है। इन नियुक्तियों में 34 इंस्पेक्टर ग्रेड-2 अधिकारी, 8 क्लर्क, 5 आई.टी. क्लर्क, 4 स्टेनोटाइपिस्ट और 1 ड्राइवर शामिल हैं, जिससे विभाग की कार्यकुशलता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है।

नव-नियुक्त उम्मीदवारों को बधाई देते हुए स गुरमीत सिंह खुड्डियां ने उन्हें अपनी सेवाएँ लगन और निष्ठा से निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सार्वजनिक सेवाओं को ईमानदारी और जिम्मेदारी से निभाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि डेयरी विकास विभाग की मजबूती हमारे किसानों की सहायता करने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा युवाओं को रोजगार देने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए स खुड्डियां ने बताया कि मौजूदा राज्य सरकार ने युवाओं को 55,000 से अधिक सरकारी नौकरियाँ प्रदान कर एक ऐतिहासिक मिसाल कायम की है। ये सभी नौकरियाँ पूरी पारदर्शिता और मेरिट के आधार पर दी गई हैं।

8 करोड़ की पुलियों के बनने से चंगर इलाके की 70 साल पुरानी समस्या होगी हल: हरजोत बैंस

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़/कीरतपुर साहिब। शिक्षा और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, पंजाब के कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि 18 सितंबर को तड़क्सार, हिमाचल प्रदेश में हुई भारी बरसात ने इस इलाके को बड़ा नुकसान पहुँचाया है। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि उन्होंने इलाके के गाँवों का दौरा किया, जहाँ सड़कों का नेटवर्क पूरी तरह टूट गया है। खड्डों में अधिक पानी आने के कारण लोग बहुत प्रभावित हुए हैं। बच्चों का स्कूल जाना मुश्किल हो गया है और मरीजों को इलाज के लिए भी कठिनाइयाँ आ रही हैं।

श्री बैंस ने कहा कि बीते कल ही दबूर में 1.01 करोड़ रुपये की लागत से पुल और दबूर अपर में 70 लाख रुपये की लागत से पुल बनाने की मंजूरी मिल चुकी है। इन दोनों पुलों का टेंडर अगले हफ्ते लगाया जाएगा। यह परियोजनाएँ चंगर इलाके के इन गाँवों की आवाजाही की 70 साल पुरानी समस्या को जड़ से समाप्त कर देंगी। श्री बैंस ने आगे बताया कि 8 करोड़ रुपये की लागत से पुलियों के निर्माण की भी मंजूरी हो चुकी है और इसका काम भी जल्द शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि इस इलाके में अक्सर भारी बरसात के दौरान खड्डों में पानी आ जाता है। आज तड़क्सार में हुई भारी बरसात के कारण मांगेवाल, दबूर और लोहड़ खड्ड में पानी के अधिक बहाव से फसलों और पशुधन को भारी नुकसान पहुँचा है।

श्री बैंस ने बताया कि इससे पहले वे आसपुर, आलूवाल और अन्य गाँवों का दौरा कर चुके हैं जहाँ राहत कार्य शुरू कराए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि दबूर और अन्य प्रभावित इलाकों के नुकसान का जायजा लेकर विशेष गिरदावरी करवाई जाएगी और जल्द मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार पहले ही यह वादा कर चुकी है कि नष्ट हुई फसलों का मुआवजा प्रति एकड़ 20 हजार रुपये दिया जाएगा, जबकि केंद्र सरकार की ओर से अब तक किसी प्रकार की कोई मदद प्राप्त नहीं हुई है।

श्री बैंस ने कहा कि मकानों और पशुधन के नुकसान का भी जायजा लिया जा रहा है। पंजाब सरकार के मुआवजे से इतर तुरंत मदद के लिए स्थानीय दोस्तों, साथियों, टीम के सदस्यों, स्वयंसेवकों, समूहों और अन्य क्षेत्रीय लोगों का सहयोग लिया जा रहा है ताकि जरूरतमंद लोगों को तुरंत सहायता पहुँचाई जा सके।

इस अवसर पर तरलोचन सिंह लोची (ब्लॉक प्रधान), प्रधान ट्रक यूनियन, डॉक्टर जरनैल सिंह (आप नेता), वरिंदर सिंह (यूथ आप नेता), बिंदु मझेड़, वीर चंद, गुरिंदर सिंह, रजिंदर सिंह, जुंझार सिंह दबूर, जरनैल सिंह दबूर और पतवंत समेत बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जिन्होंने कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस का धन्यवाद किया कि वे प्राकृतिक आपदा के समय हमेशा हमारे साथ खड़े रहते हैं और इलाके के लोगों के दुख-दर्द को समझते हैं।

स्वस्थ नारी सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। राज्य एवं जिलाधिकारी के निर्देश पर गुरुवार को स्वस्थ नारी-सशक्त परिवार अभियान का शुभारंभ हुआ। मंसूरचक प्रखंड में स्वास्थ्य शिविर आयोजित कर शारीरिक कमजोरी अथवा असुरक्षित महिलाओं का यक्ष्मा जांच तथा नये निक्षय मित्र बनाकर रजिस्ट्रेशन करते हुए उनके माध्यम से यक्ष्मा रोगियों को गोद लेने एवं यक्ष्मा के विरूद्ध जन जागरूकता आंदोलन में सहयोग देने के लिए व्यक्तियों, संस्थाओं एवं संगठनों की भागीदारी सुनिश्चित करनी है। उक्त मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी विनय कुमार के कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और उन्हें समय पर चिकित्सीय सुविधाएं प्रदान करना है।

वही उनहोंने कहा कि इससे महिलाएं न केवल स्वयं स्वस्थ रहेगी। बल्कि पूरे परिवार को सशक्त बनाने में भी सक्षम होगी। उक्त मौके पर स्वास्थ्य प्रबंधक सौरभ सुमन, मुखिया डॉ. दिनेश राय, अविनाश कुमार, उमेश कुमार, राजेश कुमार, संजय कुमार,जदयू नेता रंजीत कुमार, गंगा चौधरी, सहित सभी कर्मी मौजूद थे।

मंसूरचक पुलिस की कार्रवाई: खेत में छिपाकर रखी गई 112 लीटर शराब जब्त

एसबी संवाददाता

मंसूरचक(बेगूसराय)। बेगूसराय जिले के मंसूरचक थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की है। मंसूरचक थानाध्यक्ष गोविंद कुमार पांडे के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई में लगभग 112 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। यह शराब समसा एक पंचायत के एक खेत में छिपाकर रखी गई थी। पुलिस को जानकारी मिली थी कि फरपूरा गांव में बड़ी मात्रा में विदेशी शराब लाई गई है, जिसके बाद यह छापेमारी की गई।थानाध्यक्ष श्रीपांडे ने बताया कि शराब तस्करों की पहचान के लिए जांच जारी है। पहचान होने के बाद उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

गिद्धौर में श्री सत्य साई सेवा समिति ने जरूरतमंदों के बीच भोजन वितरण कर किया नारायण सेवा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई/गिद्धौर। श्री सत्य साईं सेवा समिति गिद्धौर की ओर से रविवार को त्रिपुर सुंदरी तालाब के निकट जरूरतमंदों के बीच 21 पैकेट पौष्टिक भोजन वितरित कर नारायण सेवा का आयोजन किया गया। इस सेवा कार्य में समिति के सदस्य और साईं भक्तों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का नेतृत्व समिति के कन्वेनर पवन कुमार ने किया। उन्होंने कहा कि सत्य साईं बाबा के बताए आदर्शों पर चलकर हम समाज के हर जरूरतमंद तक सेवा का संदेश पहुँचा रहे हैं। यह केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा है। आने वाले समय में भी ऐसे कार्यक्रम निरंतर जारी रहेंगे। इस अवसर पर श्री सत्य साईं सेवा संगठन, जमुई के जिलाध्यक्ष मुन्ना कुमार मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि आगामी 23 नवंबर को श्री सत्य साईं बाबा के सौवें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में पूरे जिले

में सेवा कार्यों की श्रृंखला चल रही है। गिद्धौर में किया गया यह नारायण सेवा उसी श्रृंखला की एक कड़ी है। सेवा ही साईं का असली संदेश है और हमें इसे हर स्तर पर जीवंत बनाए रखना है। भोजन वितरण कार्यक्रम में साईं सेवादल के सुभाष कुमार सहित कई साईं भक्तों ने सक्रिय भागीदारी निभाई और जरूरतमंदों को प्रेमपूर्वक भोजन उपलब्ध कराया। यह सेवा कार्य जिलेभर में लगातार जारी रहेगा।

भगवान विश्वकर्मा का पूजन श्रद्धापूर्वक मनाया गया

एसबी ब्यूरो

दलसिंहसराय। सर्राफा व्यवसाय संघ एवं कारीगर संघ के संयुक्त तत्वावधान में नगर के मेन बाजार में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी विश्वकर्मा पूजा पूरे श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाई गई। प्रातः से ही पूजा-पाठ, हवन और आरती का आयोजन किया गया.जिसमें बड़ी संख्या में व्यवसायी, कारीगर एवं आम श्रद्धालु शामिल हुए।

पूजा-अर्चना के उपरांत पदाधिकारियों एवं उपस्थित कारीगरों ने भगवान विश्वकर्मा के समक्ष अपने व्यापार-व्यवसाय की उन्नति, समृद्धि तथा समाज में सद्भाव एवं भाईचारे की कामना की। दिनभर श्रद्धालु एवं आगंतुकों का तांता लगा रहा। पूजा के बाद प्रसाद वितरण आयोजन किया गया, जिसमें नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

आयोजन समिति की ओर से सभी उपस्थित अतिथियों का स्वागत-सत्कार किया गया। मौके पर अध्यक्ष उमेश ठाकुर, कोषाध्यक्ष आनंद सोनी, जय नारायण ठाकुर, मुन्ना ठाकुर, समाजसेवी डॉ. संजीव प्रकाश, गुड्डू ठाकुर,विक्की सोनी, सोनू कुमार, राम ठाकुर, चंदन शेखर, ज्ञान शर्मा, श्रवण साह, टिंकू कुमार सहित नगर के सैकड़ों प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं कारीगर उपस्थित रहे।

चंद्रदीप थाना में शांति समिति की बैठक की गई आयोजित

एसबी ब्यूरो प्रमुख/मृगांक शेखर सिंह

जमुई। चंद्रदीप थाना परिसर में गुरूवार को आगामी त्यौहार दुगार्पूजा लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। चंद्रदीप थानाध्यक्ष राजेंद्र साह एवं इस्लामनगर अंचल के अंचलाधिकारी के दिवाकर कुमार रंजन की संयुक्त अध्यक्षता में आयोजित की गई। इस बैठक में थाना क्षेत्र के गणमान्य लोग एवं जनप्रतिनिधियों के साथ शांति समिति के सदस्य शामिल हुए।

सर्वप्रथम अंचलाधिकारी एवं थानाध्यक्ष ने शांति समिति के सदस्यों व गणमान्य लोगों के साथ उपस्थित जनप्रतिनिधियों के अभिनंदन के साथ बैठक शुरू की गई ।अंचलाधिकारी ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि अगर समाज में नैतिकता कायम रखनी है तो सबसे पहले आपस में सहमति जरूरी होती है। उन्होंने कहा कि पर्व हम सबको मिलकर आपसी भाईचारे के साथ मनाना चाहिए। उन्होंने उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवियों से कहा कि इस त्योहार के अवसर पर भाईचारा बनाकर काम करना है। कुछ लोग अगर त्यौहार में हरकत करते हैं तो इसकी सूचना थाना को अवश्य

दें। उन्होंने कहा कि अगर पर्व में कहीं भी कोई भी हुड़दंग करेंगे तो उन पर तुरंत कार्रवाई की जाएगी। चंद्रदीप थानाध्यक्ष ने वैसे असामाजिक तत्वों पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर पर्व के दौरान किसी प्रकार की गड़बड़ी या करने की साजिश रची तो नहीं छोड़ेंगे। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान ना दें। डीजे पर पूर्णत पाबंदी रहेगी। अफवाहों से बचें किसी भी प्रकार की बात होती है तो इसकी सूचना तुरंत थाना को दें। इस दौरान थानाध्यक्ष ने कहा कि सभी लोगों में आपसी सामंजस होना जरूरी है।किसी भी प्रकार के अफवाहों पर ध्यान देने की जरूरत नहीं है। शांति समिति की बैठक के दौरान थानाध्यक्ष ने कहा कि थाना क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस और पब्लिक के बीच अच्छा संबंध स्थापित करना जरूरी है। आम लोगों को किसी तरह की परेशानी ना हो उसका भी ध्यान रखा जाएगा। थाना अध्यक्ष ने कहा कि थाना क्षेत्र में विधि व्यवस्था दुरुस्त रखना और आमजन में पुलिस के प्रति विश्वास को कायम रखना उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि दुगार्पूजा सौहार्द पूर्ण वातावरण में मनाएं। अंचलाधिकारी ने कहा कि पूजा पंडाल में आग से बचाव का समुचित प्रबंध सुनिश्चित करना तथा प्रतिमा की सुरक्षा की जिम्मेवारी पूर्णतः लाइसेंसधारियों की होगी। पंडाल के आस-पास सीसीटीवी व्यवस्था करना, किसी भी धार्मिक भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाना, प्रतिमा विसर्जन में डीजे बजाना पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। पूजा समिति विसर्जन के लिए निर्धारित रूट का ही इस्तेमाल करेंगे। लाइसेंस की शर्तों का उल्लंघन करने पर पूजा समितियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अफवाह फैलाने वालों पर कड़ी नजर रखी जाएगी। बदमाशों पर खास नजर रहेगी। किसी भी तरह की असामान्य गतिविधियों तथा उपद्रवियों से निपटने के लिए सजग और सचेत रहने की जरूरत है। पूजा समिति के प्रतिनिधि ससमय पुलिस को सूचना देकर किसी भी बड़ी घटना को नियंत्रित करने में सहयोग करेंगे।

इस दौरान चंद्रदीप थाना अध्यक्ष राजेंद्र शाह ने कहा कि दुर्गा पूजा को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएंगे। उन्होंने संवेदनशील और अति संवेदनशील जगहों को चिन्हित कर विधि व्यस्था बनाए रखने के लिए समुचित कदम उठाना उनकी प्राथमिकता होगी।

इस मौके पर समाजसेवी मनोज मेहता, मुखिया प्रतिनिधि मोहम्मद शमशाद आलम, सेवानिवृत शिक्षक राणा राम नरेश सिंह, रमाकांत सिंह, विपिन कुमार सिंह, चंदन कुमार सहित दर्जन भर शांति समिति के सदस्य मौजूद रहे।

पूर्व विधायक ने चलाया जनसंपर्क अभियान

एसबी संवाददाता

बेगूसराय। विधानसभा क्षेत्र से विधायक रह चुकी अमिता भूषण का अपने विधानसभा क्षेत्र में पदयात्रा का सिलसिला गुरूवार को भी जारी रहा। पदयात्रा के तीसरे दिन श्रीमती भूषण ने सम्पूर्ण डीह पंचायत में घर-घर जाकर मतदाताओं का आशीर्वाद लिया। इस दौरान वो डीह गांव, ब्रह्मा स्थान, मालह डीहसरैया, करीम टोल, मुज्फरा आदि गांव का भ्रमण किया। स्थानीय लोगों और खासकर महिलाओं से संवाद कार्यक्रम भी किया गया। जिसमें वर्तमान सरकार की नाकामियों पर विस्तृत चर्चा के साथ कांग्रेस की महत्वाकांक्षी योजना हर घर अधिकार के बारे मे विस्तार से चर्चा भी हुई। श्रीमती भूषण ने सैकड़ों की संख्या में जुटे लोगों से कहा कि सरकार वोट की चोरी कर आपके अधिकार आपके आरक्षण को छीनने का प्रयास कर रही है। हमने अपने विद्यार्थी कार्यकाल में इस पंचायत में जो विकास का काम किया आज वो कड़ी टूट गई है। लोग स्वयं उसकी चर्चा करते हैं। महा गठबंधन की आने बाली सरकार आपके जीवन को बदलने, रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने, मां बहन को 2500 रुपया हर महीने सम्मान राशि देने को प्रतिबद्ध है। विकास हमने पहले भी किया है और आगे भी करेंगे। लोगों ने सड़क बिजली; जलजमाव जैसे मुद्दों से पूर्व विधायक को अवगत कराया।

मुख्यमंत्री धामी ने आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र से प्रदेशभर में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा की

संजना भारती संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को आईटी पार्क स्थित राज्य आपदा परिचालन केंद्र से प्रदेशभर में अतिवृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री ने चमोली जनपद के नंदानगर क्षेत्र के आपदा प्रभावित गांवों में बचाव एवं राहत कार्यों को और अधिक गति प्रदान करने के निर्देश दिए। चमोली के नंदानगर क्षेत्र में हुई प्राकृतिक आपदा की जानकारी जिलाधिकारी चमोली श्री संदीप तिवारी से प्राप्त करते हुए मुख्यमंत्री ने गंभीर रूप से घायल व्यक्तियों को तत्काल बेहतर चिकित्सीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए एम्स ऋषिकेश एयरलिफ्ट किए जाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री प्रातःकाल से ही आपदा परिचालन केंद्र तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ निरंतर संपर्क में रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की समीक्षा करते रहे। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अतिवृष्टि के कारण प्रभावित क्षेत्रों में सड़क, पेयजल आपूर्ति, विद्युत व्यवस्था और नेटवर्क कनेक्टिविटी शीघ्र पुनः स्थापित की जाए।

आपदा प्रभावित लोगों के लिए आश्रय, भोजन, स्वच्छ पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाओं की समुचित व्यवस्था की जाए। प्रत्येक प्रभावित क्षेत्र में पर्याप्त संख्या में चिकित्सक एवं दवाओं की उपलब्धता बनाई जाए ताकि किसी भी आपात स्थिति में त्वरित चिकित्सा सहायता उपलब्ध हो सके। नंदानगर क्षेत्र में घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन एवं पुलिस बल सक्रिय हो गए और बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। वर्तमान में क्षेत्र में राहत एवं बचाव कार्य पूरे समन्वय और तत्परता के साथ जारी हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रस्तावित बांसवाड़ा यात्रा की तैयारियों को लेकर मुख्यमंत्री ने ली उच्चस्तरीय बैठक

संजना भारती संवाददाता

जयपुर। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 सितम्बर को पंडित दीनदयाल उपाध्याय जयंती के अवसर पर केन्द्र व राज्य सरकार की लगभग 1 लाख 21 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न परियोजनाओं की बांसवाड़ा से सौगात देने जा रहे हैं। इस दौरान प्रधानमंत्री माही-बांसवाड़ा परमाणु ऊर्जा संयत्र का शिलान्यास करेंगे, जो प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में अग्रणी बनाने में ऐतिहासिक कदम साबित होगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में श्री मोदी राजस्थान सहित कई राज्यों की स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाएं भी देशवासियों को समर्पित करेंगे।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के प्रस्तावित बांसवाड़ा दौरे (25 सितंबर) की तैयारियों को लेकर श्री शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों को पूर्ण समन्वय स्थापित करते हुए संबंधित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं को समय पर पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग अपनी तय जिम्मेदारियों

के अनुसार काम कर कार्यक्रम का सफल आयोजन सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री श्री मोदी बीकानेर-दिल्ली कैन्ट वन्दे भारत एक्सप्रेस, जोधपुर-दिल्ली कैन्ट वन्दे भारत एक्सप्रेस एवं उदयपुर सिटी-चण्डीगढ़ एक्सप्रेस का हरी झंडी दिखाकर शुभारम्भ करेंगे। इस कड़ी में बीकानेर, जोधपुर एवं उदयपुर रेलवे स्टेशन पर रेलवे के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित कर कार्यक्रमों की तैयारियां पूर्ण की जाए। उन्होंने पीएम कुसुम योजना के लाभार्थियों एवं प्रधानमंत्री के मध्य संवाद कार्यक्रम के लिए भी ऊर्जा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। श्री शर्मा ने कहा कि आयोजन स्थल पर आमजन के लिए बैठक, पेयजल, आवागमन सहित अन्य सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, जिससे किसी भी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित यात्रा के तहत सुरक्षा व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए गृह और परिवहन विभाग यातायात प्रबंधन एवं पार्किंग की समुचित व्यवस्थाएं करें। इसके लिए विशेष तौर पर अधिकारी भी नियोजित किए जाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुख्य कार्यक्रम के लाइव प्रसारण से सभी जिला मुख्यालयों, नगर निकायों एवं ग्राम पंचायतों को जोड़ा जाए। उन्होंने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, पर्यटन, सार्वजनिक निर्माण , सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार व सूचना एवं जनसम्पर्क विभागों को भी आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। इस दौरान मुख्य सचिव श्री सुधांश पंत, पुलिस महानिदेशक श्री राजीव कुमार शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे तथा संभागीय आयुक्त उदयपुर एवं जिला कलक्टर बांसवाड़ा वी.सी. के माध्यम से जुड़े।

मंसूरचक में नदी में डूबने से युवक की मौत

एसबी संवाददाता

मंसूरचक (बेगूसराय)। मंसूरचक थाना क्षेत्र के चिरंजीवीपुर पंचायत में गुरुवार को दर्दनाक हादसा हो गया। चिरंजीवीपुर घाट पर नदी में नहाने के दौरान एक युवक की डूबने से मौत हो गई।

मृतक की पहचान तेमूहा गांव निवासी लालजी महतो के पुत्र सौरभ कुमार के रूप में हुई है। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने कड़ी मशक्कत के बाद युवक को नदी से बाहर निकाला और इलाज के लिए दलसिंहसराय अनुमंडलीय अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

युवक की मौत की खबर फैलते ही परिजनों और ग्रामीणों में मातम छा गया। घटना की सूचना पर मंसूरचक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बेगूसराय भेज दिया। थानाध्यक्ष गोविंद कुमार पांडेय ने घटना की पुष्टि की और आवश्यक कार्रवाई की बात कही।

गांव दहा में बनेगा वेस्ट टू एनर्जी प्लांट, 16 एकड़ भूमि का चयन

नगर निगम की विशेष बैठक में हुआ फैसला, सी. एंड डी. वेस्ट प्लांट के लिए भी 4 एकड़ भूमि सुरक्षित

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी
करनाल। नगर निगम करनाल के सभागार में गुरुवार को महापौर रेनू बाला गुप्ता की अध्यक्षता में नगर निगम हाउस की विशेष बैठक आयोजित हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि गांव दहा में 16 एकड़ भूमि पर वेस्ट टू एनर्जी प्लांट स्थापित किया जाएगा। इसके साथ ही गांव दहा में ही 4 एकड़ भूमि पर कंस्ट्रक्शन एंड डैमोलिशन (सी. एंड डी.) वेस्ट प्लांट लगाने का भी प्रस्ताव पारित किया गया।

बैठक में विधायक जगमोहन आनंद, नगर निगम आयुक्त डॉ. वैशाली शर्मा, अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार, अधीक्षण अभियंता पुनीत कुमार, उप निगम आयुक्त अभय सिंह, तकनीकी सलाहकार महीपाल सिंह, कार्यकारी अभियंता ओ.पी. करदम व प्रदीप कल्याण, वरिष्ठ लेखा अधिकारी बलविन्द्र कुमार जग्गी, शाखाध्यक्ष तथा निगम पार्षद मौजूद रहे। अतिरिक्त निगम आयुक्त ने जानकारी दी कि 7 अगस्त को हुई हाउस बैठक में गांव फूसगढ़ के एस.टी.पी. के समीप वेस्ट टू एनर्जी प्लांट लगाने का प्रस्ताव लंबित रखा गया था। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि वह भूमि कृषि योग्य है और वहां जाने वाला रास्ता संकरा है। इसी कारण 15 सितंबर को राजस्व शाखा व प्रोजेक्ट प्रतिनिधियों के साथ गांव दहा की भूमि का निरीक्षण किया गया। यहां कुल 48 एकड़ 7 कनाल 10 मरला भूमि बंजर पाई गई, जिसमें से 20 एकड़ भूमि इन दोनों प्रोजेक्ट्स के लिए सुरक्षित कर दी गई है। बैठक के दौरान विधायक जगमोहन आनंद ने निर्देश दिए कि सफाई कर्मचारियों का मूल्यांकन उनके कार्य के आधार पर किया जाए। उन्होंने सफाई शाखा के अधिकारियों को ड्यूटी रोस्टर बनाने के आदेश दिए और कहा कि सभी अभियंता प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक कार्यालय में उपस्थित रहें, ताकि पार्षदों व आमजन को असुविधा न हो। उन्होंने शिकायतों के त्वरित समाधान पर भी जोर दिया।

महापौर रेनू बाला गुप्ता ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आगामी हाउस बैठक जल्द आयोजित की जाएगी, जिसमें पिछली बैठकों में पारित प्रस्तावों व विकास कार्यों की प्रगति की विस्तार से समीक्षा होगी। उन्होंने सभी शाखा प्रमुखों को प्रस्तावों की एक्शन टेकन रिपोर्ट तैयार करके प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

कैथल की ऐतिहासिक बावड़ी का चार करोड़ 46 लाख रुपये की लागत से होगा जीर्णोद्धार

विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने नारनौल से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम दी जानकारी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
कैथल। शहर में स्थित ऐतिहासिक ब्रिक बावड़ी का जीर्णोद्धार किया जाएगा। इस पर करीब 4 करोड़ 46 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। वीरवार को विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा नारनौल से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े और सीटीएम गुरविंद्र सिंह ने लघु सचिवालय स्थित वीडियो कांफ्रेंस रूम से इस कार्य का शिलान्यास किया।

विरासत एवं पर्यटन मंत्री डा. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के कुशल नेतृत्व में प्रदेश में अनेकों विकास कार्य करवाए जा रहे हैं। वहीं सेवा पखवाड़े के तहत अपनी विरासत को संजोए रखने का काम भी किया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश में स्थित करीब 20 ऐतिहासिक स्थलों एवं बावड़ियों का जीर्णोद्धार के कार्य का आज शिलान्यास किया गया है। इसमें कैथल की ब्रिक बावड़ी भी शामिल है। यह बावड़ी न केवल जल संरक्षण का एक महत्वपूर्ण साधन है, बल्कि यह हमारे शहर की विरासत का भी एक अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ऐतिहासिक धरोहरों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है और यह जीर्णोद्धार उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि विरासत को बचाने के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं। इस परियोजना के पूरा होने से शहर को एक नया गौरव मिलेगा और हमारी आने वाली पीढ़ियां भी अपनी समृद्ध विरासत से परिचित हो सकेंगी। सीटीएम गुरविंद्र सिंह ने बताया कि शहर के पुराने नागरिक अस्पताल के नजदीक स्थित ऐतिहासिक बावड़ी सदियों पुरानी है और इसका ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व है। जीर्णोद्धार होने के बाद यह बावड़ी अब अपने गौरव को फिर से प्राप्त करेगी। इस परियोजना के तहत बावड़ी की मरम्मत, मूलभूत सुविधाएं जैसे शौचालय, बेंच, साइनेज, शेड व लाइटिंग की व्यवस्था की जाएगी। पारंपरिक तरीकों का उपयोग करके संरचनात्मक मूल्यांकन और कमजोर भागों को सुदृढ़ किया जाएगा।

इस अवसर पर हरियाणा स्टेट रोड एंड डिवेलपमेंट कारपोरेशन के कार्यकारी अभियंता अनिल नरवाल सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध खनन में शामिल लोगों पर की जाए सख्त कानूनी कार्रवाई: मोनिका शर्मा

एसबी विशेष संवाददाता
करनाल। सीटीएम मोनिका शर्मा ने कहा कि अवैध खनन में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए। अवैध खनन पर नियंत्रण लगाने के लिए अधिकारी अपनी गतिविधियां बढ़ाएं और उन पर कड़ी नजर रखें। जिला में किसी भी हालत में अवैध खनन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषी पाए जाने वालों पर कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। सीटीएम मोनिका शर्मा वीरवार को लघु सचिवालय के सभागार में जिला टास्क फोर्स कमेटी की बैठक की अध्यक्षता कर रही थी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अवैध खनन में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें और उनके वाहन भी जब्त किए जाएं। उन्होंने कहा कि अवैध खनन करने वालों के खिलाफ शिकंजा कसा जाए और खनन विभाग की ओर से संबंधित को नोटिस जारी कर उन पर जुमार्ना लगाएं। उन्होंने खनन अधिकारी को निर्देश दिए कि पंचायती जमीन से सम्बंधित जो शिकायतें आ रही हैं उन पर भी कड़ा संज्ञान लिया जाए। इसके बारे में डीडीपीओ को अवगत कराया जाए ताकि आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जा सके।

बैठक में जिला खनन अधिकारी विनय शर्मा ने बताया कि जिला में अवैध खनन के खिलाफ अभियान निरंतर जारी है। बैठक में एसडीएम करनाल अनुभव मेहता, एसडीएम घरौंडा राजेश सोनी, डीडीपीओ कंचनलता, डीएसपी राजीव कुमार, आरटीए विजय देशवाल, नायब तहसीलदार इन्द्री गौरव शर्मा सहित अन्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जल्द होगा शुरू, बीएलओ घर-घर जाकर करेंगे वेरिफिकेशन: उपायुक्त

एसबी विशेष संवाददाता
करनाल। भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार एक जनवरी 2026 की आधार तिथि मानकर मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य जल्द शुरू किया जाएगा। इस कार्य की तैयारी को लेकर लघु सचिवालय सभागार में आयोजित बैठक की अध्यक्षता उपायुक्त एवं जिला निर्वाचन अधिकारी उत्तम सिंह ने की। उन्होंने राजनीतिक दलों से अपील की कि वे इस प्रक्रिया में पूर्ण सहयोग करें और अपने-अपने बूथ लेवल एजेंट (बीएलए) की नियुक्ति जल्द से जल्द सुनिश्चित करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि पुनरीक्षण कार्य के दौरान जिले के सभी पांच विधानसभा क्षेत्रों में नियुक्त बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) घर-घर जाकर मतदाताओं का वेरिफिकेशन करेंगे। इस दौरान आवश्यक दस्तावेज भी एकत्र किए जाएंगे, ताकि कोई भी पात्र व्यक्ति मताधिकार से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2002 की मतदाता सूची से मिलान कर पात्र नागरिकों के नए वोट बनाए जाएंगे और त्रुटिपूर्ण प्रविष्टियों को ठीक किया जाएगा।

उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 326 के अनुसार केवल भारत के नागरिक को ही मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाने का अधिकार है। विदेशी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जा सकता। उन्होंने बताया कि बीएलए की नियुक्ति इसलिए आवश्यक है क्योंकि उन्हें अपने क्षेत्र की पूरी जानकारी होती है–कौन 18 वर्ष का हुआ है, किसकी मृत्यु हो चुकी है या कौन स्थायी रूप से स्थानांतरित हो गया है। यह जानकारी मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने में सहायक सिद्ध होती है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि तैयार की जाने वाली मतदाता सूची से संबंधित त्रुटियों को दावे व आपत्तियों के माध्यम से सुधारा जा सकेगा। इसके निपटान की जिम्मेदारी एआरओ की होगी तथा आवश्यकता पड़ने पर अपील जिला और राज्य निर्वाचन अधिकारी के पास की जा सकेगी। उन्होंने यह भी बताया कि एक मतदान केंद्र पर 1200 से अधिक मतदाता होने की स्थिति में अतिरिक्त मतदान केंद्र स्थापित किए जाएंगे। इसी के तहत जिले में 151 नए मतदान केंद्र प्रस्तावित हैं। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि इन स्थलों का भौतिक निरीक्षण कर 25 सितंबर तक अपने सुझाव जिला निर्वाचन कार्यालय को उपलब्ध करवाएं, ताकि समय रहते सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित हो सकें।

बैठक में एसडीएम करनाल एवं पंजीयन अधिकारी अनुभव मेहता, एसडीएम असंध राहुल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी मोनिका शर्मा, चुनाव तहसीलदार सुदेश राणा सहित कांग्रेस, सीपीआईएम, आम आदमी पार्टी, बीएसपी, जेजेपी और इनेलो के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

आईआईटी रूड़की में विशेष मान द्वारा स्वर्ण पदक जीतने से असंध क्षेत्र में खुशी की लहर

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग
असंध। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की से बल्ला निवासी विशेष मान ने सॉलिड स्टेट इलेक्ट्रॉनिक मैटेरियल्स से एम टेक में 96.7 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्वर्ण पदक प्राप्त किया है। विशेष मान को स्वर्ण पदक अपनी शाखा में सर्वाधिक सीजीपीए प्राप्त करने और शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया गया है। विशेष मान ने इसी वर्ष आईआईटी रुड़की से एम टेक की डिग्री प्राप्त की है। छात्र विशेष मान ने इस अवार्ड से सम्मानित होने पर अपने शिक्षकों व परिजनों का आभार व्यक्त किया है। विशेष मान बल्ला के एक किसान के बेटे हैं और मां ग्रहणी है। देश की नामचीन संस्थान आईआईटी रुड़की के 2025 दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि पंकज अग्रवाल सचिव एवं महानिदेशक रक्षा मंत्रालय भारत सरकार द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया है। विशेष मान की इस उपलब्धि पर कृष्ण मान, मास्टर महीपाल दूहन, बलवान मान, संजय पहलवान, सुदेश पहलवान व मनिंदर पहलवान आदि मौजिज व्यक्तियों ने विशेष मान को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। विशेष मान की इस उपलब्धि से असंध क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ रही है। विशेष मान का कहना है कि आईआईटी रुड़की जैसी ऐतिहासिक और प्रतिष्ठित संस्था से यह मान्यता प्राप्त करना मेरे लिए जीवन का एक यादगार क्षण है।

इनैलो के युवा जिलाध्यक्ष एडवोकेट मनिंदर पुनिया ने दिया सम्मान दिवस रैली का निमंत्रण

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी
करनाल। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी के करनाल युवा जिलाध्यक्ष एडवोकेट मनिंदर सिंह पुनिया ने कहा कि इनैलो की 25 सितम्बर को रोहतक में आयोजित होने वाली सम्मान दिवस रैली रिकार्ड तोड़ और ऐतिहासिक होगी। उन्होंने कहा कि यह रैली पूर्व उपप्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी देवी लाल की जयंती पर आयोजित की जा रही है, जो जननायक की विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का काम करेगी। मनिंदर पुनिया ने करनाल जिले की सभी विधानसभा क्षेत्रों का दौरा कर कार्यकताओं व समर्थकों से मुलाकात की और उन्हें रैली में पहुँचने का निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि करनाल जिले से हजारों की संख्या में न केवल युवा वर्ग, बल्कि हर वर्ग के लोग और पार्टी के कार्यकर्ता शामिल होकर इस रैली को ऐतिहासिक बनाएंगे। युवा जिलाध्यक्ष एडवोकेट मनिंदर सिंह पुनिया ने कहा कि युवा देश की रीढ़ हैं, युवा इतिहास बदल सकते हैं। आज जरूरत है कि हम जननायक चौधरी देवी लाल के दिखाए रास्ते पर चलें और जनता की आवाज बुलंद करें। मैं जिले के सभी युवाओं से अपील करता हूँ कि वे 25 सितम्बर की इस सम्मान दिवस रैली में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें और इनैलो की ताकत को और मजबूत बनाएं। इस अवसर पर गुरजंट सिंह वड़ैच, अनिल मान, गौरव शर्मा, सरदार सतकार, विक्रम मान, जगरूप, सरदार सुखविंद्र, कर्मपाल, नितेश समेत बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे और उन्होंने भी रैली को सफल बनाने का संकल्प लिया।

समृद्ध धरोहरों को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करेगी नायब सरकार : डॉ. अरविंद शर्मा

एसबी संवाददाता/चंडीगढ़। हरियाणा के सहकारिता, विरासत व पर्यटन मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अपनी धरोहर सहेजने के संकल्प को हरियाणा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में गम्भीरता से सिद्धि तक पहुंचाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार प्रदेश के केंद्र व राज्य संरक्षित ऐतिहासिक स्थलों के जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण के बाद उन्हें पर्यटक स्थल के रूप में विकसित करेगी, ताकि देशी- विदेशी पर्यटक प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से खुद को जोड़ सकें। डॉ. अरविंद शर्मा आज नारनौल में सेवा पखवाड़ा अभियान के तहत नारनौल–महेन्द्रगढ़, कैथल, जींद, भिवानी, गुरुग्राम, फरीदाबाद, पलवल व नूंह के 20 राज्य संरक्षित धरोहरों के 95 करोड़ रुपए से होने वाले जीर्णोद्धार एवं सौंदर्यीकरण की परियोजना का शुभारंभ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि नारनौल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों और आमजन की भावना है कि बावड़ियों, मकबरों और महलों वाले नारनौल को विरासत नगरी घोषित किया जाए; इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी से शीघ्र मुलाकात की जाएगी।

बेसहारा गोवंश से गांव नरवल में बढ़ा खतरा

आए दिन हो रही दुर्घटनाएं, ग्रामीणों ने सरकार व प्रशासन से समाधान की मांग की

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
राजौंद। खंड राजौंद के निकटवर्ती गांव नरवल में बेसहारा गोवंश ग्रामीणों और वाहन चालकों के लिए लगातार परेशानी का सबब बना हुआ है। गांव की मुख्य सड़कों पर गोवंश झुंड के रूप में बैठे रहते हैं। दिन में तो लोग किसी तरह संभलकर निकल जाते हैं, लेकिन रात के समय इन्हें देख पाना मुश्किल हो जाता है। परिणामस्वरूप आए दिन वाहन दुर्घटनाएं हो रही हैं और कई राहगीर व वाहन चालक घायल हो चुके हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार सरपंच, खंड पंचायत अधिकारी और जिला पंचायत अधिकारी को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। प्रशासनिक लापरवाही के चलते यह समस्या दिनोंदिन गंभीर होती जा रही है।

राहगीरों और वाहन चालकों ने मांग की है कि बेसहारा गोवंश को जल्द से जल्द किसी गौशालाओं में शिफ्ट किया जाए ताकि सड़क हादसों पर रोक लग सके। उनका कहना है कि यह केवल गांव नरवल ही नहीं, बल्कि आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए भी जानलेवा स्थिति बन चुकी है।

हताश व परेशान ग्रामीणों ने दैनिक संजना भारती समाचार पत्र के माध्यम से मुख्यमंत्री हरियाणा से अनुरोध किया है कि नरवल गांव व आसपास के क्षेत्रों से बेसहारा गोवंश को गौशालाओं में भेजने के लिए तत्काल कदम उठाए जाएं और प्रशासन को जिम्मेदारी निभाने के सख्त निर्देश दिए जाएं।

सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के कलाकार गांव-गांव जाकर दे रहे योजनाओं की जानकारी: डीआईपीआरओ नसीब सैनी

सेवा पखवाड़ा के तहत दो अक्तूबर तक चलाया जाएगा विशेष अभियान

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार
कैथल। जिला सूचना एवं जन संपर्क अधिकारी कैथल नसीब सैनी ने बताया कि सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग के महानिदेशक के.एम पांडुरंग के आदेशानुसार एवं डीसी प्रीति के मार्गदर्शन में विभाग द्वारा दो अक्तूबर तक विशेष प्रचार अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत जिला स्तरीय कलाकारों द्वारा गांव गांव जाकर सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार करने के साथ साथ स्वच्छता की अलख भी जगाई जा रही है।

उन्होंने बताया कि विशेष प्रचार अभियान के तहत 17, सितम्बर से जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 17 सितंबर को गांव प्योंदा, जांबा, चुहड़माजरा, खेड़ी गुलामअली, देवबन, भाणा, रसीना व सांच आदि गांवों में सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में ड्रामा, भजनों, रागनियों के माध्यम से ग्रामीणों को जानकारी दी।

18 सितंबर को गांव हरसौला, मोहना, सोलुमाजरा, गोहरां खेड़ी, जाखौली, खरक पांडवा, पबनावा व ढांड में कार्यक्रम आयोजित किए गए।

19 सितंबर को शिमला, टयोंठा, बरोट, नागल, नीमवाला, चौशाला, भागल व चीका,

20 सितंबर को पिंजुपूरा, बरसाना, बंदराना, फिरोजपुर, किछाना, कैलरम, पाई व भाणा,

22 सितंबर को किठाना, हजवाना, जाजनपुर, डोहर, कोटड़ा, बजीरनगर, क्योडक व पाड़ला,

23 सितंबर को कसान, बाकल, जडौला, कवारतन, सेरधा, मटौर,

24 सितंबर को म्योली, डीग, सलेमपुर मदुद, प्रभावत, सौंगल, कलासर,

25 सितंबर को रावणहेड़ा, फतेहपुर, डडवाना, भूना, माजरा नंदकरण, बड़सिकरी कलां,

26 सितंबर को पिलनी, खेड़ी सिकंदर, चंदलाना, खरकड़ा, रेहड़ा माजरा, बड़सिकरी खुर्द,

27 सितंबर को पाई गेट पूंडरी, डुलियाणी, साकरा, बलबेहड़ा, बीरबांगड़ा,

29 सितंबर को रसुलपुर, मुन्नारेहड़ी, साकरा खेड़ी, हरीगढ़ किंगन, नरवल, लांबा खेड़ी,

30 सितंबर को बेगपुर, दुसैन, आहूं, खुशहाल माजरा, फरीबाद, कुराड़, एक अक्तूबर को रिवाड़ जागीर, बुच्ची, संगरौली, खराल, खुरड़ा, दुब्बल, खानपुर, अहमदपुर, धेरडू, टटियाणा, संदल खेड़ी, सिणंद आदि गांवों में कार्यक्रम आयोजित होंगे।

विभागीय ड्रामा व भजन पार्टियों द्वारा सरकार की योजनाएं जैसे लाडो लक्ष्मी योजना, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, हैप्पी कार्ड योजना, स्वामित्व योजना, प्रधानमंत्री ग्रामीण व शहरी आवास योजना, मुख्यमंत्री विवाह शगुन योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति एवं सुरक्षा बीमा योजना, स्वनिधि योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना सहित अनेकों योजनाओं के बारे में विस्तार से जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाई जा रही है। योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करने के बाद ग्रामीण इन योजनाओं का लाभ उठा सके।

हरियाणा के सरपंच करेंगे नवाचारों का अध्ययन, उत्तर प्रदेश के आगरा में आयोजित पांच दिवसीय एक्सपोजर विजिट का करेंगे दौरा

एसबी संवाददाता
चंडीगढ़। हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार के मार्गदर्शन में रिवेंप्ड राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत जिला पानीपत के जन प्रतिनिधि 56 सरपंच (21 महिला और 35 पुरुष) उत्तर प्रदेश के मथुरा और आगरा में आयोजित पांच दिवसीय एक्सपोजर विजिट कार्यक्रम का दौरा करेंगे। सरपंचों के प्रतिनिधिमंडल को गुरुवार को विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने पानीपत में हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्री पंवार ने बताया कि यह एक्सपोजर विजिट 18 सितम्बर से 22 सितंबर तक आयोजित होगी, जिसका संचालन पॉजिटिव मंत्रा कंसल्टिंग पीवीटी लिमिटेड, गुरुग्राम द्वारा किया जाएगा। प्रतिभागियों को मथुरा और आगरा की ग्राम पंचायतों द्वारा शुरू की गई विभिन्न नवाचारी पहलों से रूबरू कराया जाएगा, ताकि वे इन अच्छी प्रथाओं को हरियाणा की पंचायतों में लागू कर सकें। उन्होंने बताया कि इन सभी के साथ 6 महिला और 6 पुरुष अधिकारी भी नामित किए गए हैं जो आधिकारिक तौर पर उनके साथ कार्य शैलियों का जायजा लेंगे। उन्होंने बताया कि प्लास्टिक वेस्टेज ट्रीटमेंट प्लांट, महिलाओं के लिए बनाए गए विशेष अस्पताल, स्वयं सहायता समूह के लिए बनाए गए बाजार, पार्क विद आउटडोर जिम, अमृत सरोवर, जलापूर्ति, स्थानीय महिलाओं के लिए सिलाई सेंटर, वॉटर टैंक, वृद्धों के लिए ओल्ड एज होम, इत्यादि की जानकारी लेंगे।